

AND THE STATE OF THE PARTY OF T वाशि ोड्रान क्षा निवास कार्य AND SUCISION STREET STREET SERVICES भी में के कि हो। तो कार में के कि ी है अर्थ का उसे जाति । जाति । जाति । जाति । जाति । माना साथनात के के वार्ष देशन ने के ब्राइन की ते क भागि अधि के इ. . । किन छन्। इ. तांक ट-अटन र अधिता । जले 四国祖母 华 等花花 जाव देशलोंका कि हिन्द स्थानक जातान है। ते प्रशास दिन स्थान विश्व । प्रति । भारतम् सर्व। भारतम् अपन् अपन् अपन् अपन स्थिता आग शक । श्रेनाव । श्रानाव । स्थापन 'नाव * शक्र - नराव जात कावत कावत कावत जात जात क के श्रेकान (क्यान 第一下医院 (20 F X) 为1 发现的中国 不得到 对对对 कार्रा कार्य के प्राप्त के कार्य के 时中国 6 3 3 700 对内面 中国第一种形态 ति का निष्य निष्य निष्य निष्य निष्य निष्य म के जिल्ला अहै। इस बाउ किस OTHER SHIP TEMPS FOR

ना विहादत । वर्ष र प्राप्तान विहादता माफि करत ना विष्ठात विष्ठात विष्ठाति विष् धरे छएस मूरे हैंगा विलवात करता नाहि है **जर्दर * ভाल छाल तक्यांति लाफ्टिलन र** গিয়া মুড়াইছে দাভি * কাদিছে ককৰ কহিতেছে এ বিরহ সহিত্তে না পারি * পুষেছে তোমারে। হামরে করের দাভি राम्न पाष्ट्र थिम पाष्ट्र वितरह द्वामान । सि চিনিবে নাআর*হার দাড়ি স্বল্য কুরাল আরভিদারে কহ ডাকিবেনা আর * হার দাতি কি লগাত বিহনে ভোষার नम्रन त्रजन र्रोल नाक्तिय ना व्यात क्ष हात्र गावि द्वामा हात्र मकलि वाथात । काम मान मानादका नित्त वाथात अ वर्ष तक मान रत्ना जनस्मा प्रका स्वापेल जमा नि वेकारतर वर्ष আমাদেরো কামা খার खरन এই খেল। । । स প্রাংশ मহ্য হয় ट्यायत विष्कृत * वातुर्क नास्तिक ट्याय नेका ट्या प्राची म पारा ठिटक छक रतना त्मरे लाचि । ए क इन दक्त लाम नम कियरनत पांत्र। त्राल रणल पांछी काल साम छ । वास के जकवाति माष्ट्रि बार्ष्ट এक बार्षि नह । चर्ना नाजा माण्यित स्थान अवि मय * जिकि वाटक सांकि वाटक क्षिटक वाटात । त्य शाहिए ध ठूकांदन भारवना निखात क्ष हिन्दु कांकि वा न माहि है। দাড়ী।ভাবিবার আথে কেকে সুশলের বারি के क माष्ट्रि मूड़ारेट रम । भागा आह जिला কি হবে নাচার দাভি সা গুড়ালে সয়। সংগ্রা टमारकाष्य * निकित्त्व माणिकाल निरंद निवास । चटि टाम्र टाम अ जातम आर्था पार्टि म তাদেরো ঘুচিছে সদ্য সাভা আতা কারা কটা গু পরিস্কার। দাড়ির বিবহ পেত বাসনা রাখা হলে

विश्वास मात्म वारम छम्। कारावामानातमा वार्यास्य * আসল কেছা ভার *

क विश्वीक কাঞ্চন পুরের নামা ভৈনুছ ভাষা নাম বাদসা এক ছিল নামদার। তাহার তারিফ জতো কেশারে কৃতিতে ততো, কতো বাদসা তাৰে ছিল তার * আদল এল-ভাষ ভার পরেলরঙা বরাবার, ছাখাওডি বাডেল স্বাদ। হাস-মান্তে ভেকেশার এয়ছা, তেকাতে রস্তা ভেরছা, তেকাতে ভেমন লোক্ষান & লোক লম্বর বেসুমার, হাতি ঘোদার নাহি পার द्रादन चादन क्लि स्थानाशात । लाल क्लाद्द्र क्राताः व्यक्ति ভাগার ভারা কোবা পারে করিতে সমার * এক পুত্র ভার যা बिन्दलन प्रशास, नाम तार्थ दशाल मान कामाल। हाति माल वा देशसा मन्द्रकार পिएट मिल, अरलस्वर इरेल कामाल * ভেশাগরী জড়ো ফন্দ, কুন্তীর সকল বন্দ, পুরা হৈল ছনর তেক-याक। नालामा प्रवात (क्यका, প्रकात शालम (क्यका: मिथीटनम शिष्ठाई जित्न के कार्यन नार्फका दन्धि, मकलि इहेल खरि बान्स्त्र वाब्ति व वर्षात्र ए । स्थामारमण्ड वाबना शास्क , छत्र नाहि वार कारक महा पारक द्यान जाननिए एक स्टबान वार्क नाहि कार मा जिला किता किया, निमी तरह तथा जालिए ॥ बार्क हिला है-खानाज होटी हुणात्मरज नाहि चारे, शका श्वास्त अना विस्तान

* शिल मान काशान माराजानात क * জন্ম বাগীচা তৈরার হইবার বরান «

* পরার তথ্ । এক রোজ লাতা জাদা বাশের ত্তরে। চাজি পরে হাত দিয়া করে বিরে । * আলম পানা कालश्र किए का का शाहे। दिल्ला मजलय कि ह स्कृद्व का नाहे अव्दर्धक दशक किंदू नावि लाश काल । सित नावि व्य रशान नाम का भ कलाना मग्रान विक्र कतिया स्थारका बाधान वालादाः दमदश कतीरक छतात ॥ छनिता विदेश विदेश वि লোলাল অন্তরে। তখনি ডাকিল সাহা উজিরের তরে * ডিজিরে

াতিয়ে কতে কোনতে ক্রমান । ফলানা ময়দানে দেহো বা-লাইয়ে বা গান 💥 োন রুট হয় বাগ দেখিতে বাহার। বালাখানা তা এক বিচেতে ভাতার * বাদশার হুকুম শুনে উদ্ধির জাইয়া বিগ্র স্বাকারে লিল বোলাইয়া * বাদসার ত্রুম জাহা কাহল প্রায় । কারিগরে টাকা দিয়া করিল বিদায় * কারিগর लाक मद्य कार्येता व्यक्तादम ॥ श्राहिद्र चितिद्रा गार्थ स्थामानिज यात्न * जिन क्लाम जाए पिर्ग कोशा पिरलक দিতাৰ এক চৌদিলে খিরিয়া * নানা রঞ্জ ফল ফুল দারজ লাগায়॥ অতিলোভা কর দেখে নয়ন জুড়ায় * এক বালাখানা কর করিল তৈরার। বেহেস্ত সামান ঘর দেখিতে বাহার * লাল জভাছের ককো অমূল্য পাথরে। বানাইল বালাখানা জত कार्तिनदि # ६ हो बिट्न वाद्यति किल हान्तित क्रिशंत ॥ क्रिशंका ভগরে দিল সোলার কেতার * বেহেস্ত সমান বাগ বাহার েতিতে। জাইয়া খবর দিল বাদসার কাছেতে 🕸 শুনিয়া খবর সভা অভি খোদালিতে। স্বাকে লইয়া আইল বাগান দেখিতে দেখিয়া বাগাৰ সাহা খোসাল হইয়া। এনাম দিলেৰ কারিগরে ৰেওা জিয়া 🕸 গোল সান জামাল শেই বাগের বিচেতে। ত্রের করিয়ে কেরে লেল খোসালেতে * এয়ার সকলে লিমা সালালেতে রয়। লাচ রঙ্গে দিবা নিসী গুখেতে কাটায় * ्याल यान कांबादलं कथा तकिल এथन। ने वाहात विवीत তাল লোন সৰ জোন * অধিন যানিক কহে কেচ্ছার কাহিনী जात शहर लगान छान् चान कल वानि *

র রও বাহার বিবীর বিবর**ন** *

পরি স্থানে ঘর বাদসা পরির ছরদার।

নর্মের সাহা নামে বড়া নামদার * নও বাহার নামে এক

কেটি তার ছিল ॥ছুরাতের খান তারে এলাহী বক্সিলো * কি কব

তাহার আমি কুপের বয়ান॥ চাঁন্দ শুষ্য দেখে রুপ থাকিত

হয়রানি স্লামির কিবা লাক চক্ষু মুখ কিবা ছই ছুরু॥ কুচ শুন্ত ছুটী

বাকা সাজা থানি সর * একেত পরির জাত নাবন জোক प्रिचित जार्गात कुल ना एकरत नयन क्रा शतित कराति करा कि করিব কালা জগতে মসহুর আছে ছাপা তাহা ন বেটি ছিল যাল ফর্রথ সাহার। জানের লঘান ভারে তারভ শিয়ার * এক রোজ পরি জাদী বাপের কাছেতে। ছাতি পরে হাত দিয়ে মধুর স্বরেতে * কহিতে লাগিল বিবী লোন বারা জান। সহবেতে দেল সদা থাকেত হয়রান * ছয়ের কবিতে नाम देशबाद्य यागाय। जारेट वामना वाचि याजून यानाव छक्रतत छक्र किनी रस अक वात । ছरमन करिएस पान वार लाइ बागात * एनिया दिणीत कथा द्याणांन बाउदा । इदार दे করিতে ছকুম দিলেক বেটিরে * নও বাহার শুনে দুকুম খোশাল म्बल्या जिन हाति शति विवी लहेश न्या मार्कि के वाद्यात इब्रुद्ध विवी ছालायं कतिया॥ (थामाल बद्धाद शाला विवास হইয়া क উড়িয়া চলিল বিবী হাতার উপর। জাইয়া পৌছিল তার সাত্লের ঘর * দেখিয়া জে মামা তার খোলাল অন্তরে। भारत क्रिया तारथ जायनात घरत * जांज स्थानारमरज विवी রহিল সেথায়। ছয়ের করিয়ে ফেরে জেথা জিউ চায় * এক রোজ জায় বিবী ছয়ের করিতে। উড়িয়া জাইতে ছিল পাইল मिश्टिक * गर्मान विटिट अक कामाना वाशान्। वेष्ठे शक्त है বাগ বেহেন্ত সমান * চৌদিগেতে আছে তার চান্দির দিন্তার দরতাজা উপরে আছে সোনার কেতাড় 🕸 দেখিয়ে বাগের বৃধি খোসাল হাজার। উতরিল সেই ঘড়ি বীচেতে তাহার * বালের বিচেতে দেখে করিয়া নজর। নালা রক্ত ফুল আছে দেখি-তে अन्यत * तक्यर कूल शार्हा कृषिया। विविध श्रकादन বেতা আত্তেত পরিয়া * ফুলের খোল বোয় ছোটে আতর জেমন। বাবের তামাসা দেবে খোসালিত মোন # ফিরিডে লাগিল বিধী বাগের ভিতর।কত তুরে গিয়ে দেখে করিয়া নজর लाया हुउछ। एक वालाथाना विष्टे माकूल घर केछि

আমিরানা * জওহেরাত জমর্মাদ আছে বহু তর। দাল জরদ্দ ছফেদ ছবজ অমূল্য পাথর * দেখিয়ে সে বালাখানা খোসাল অন্তরে। ধিরে ধিয়ে গেল তার দরতাজা উপরে * তুয়ারেতে গিয়ে বিবী দেখে তাকাইয়া। এক মর্দ্দ আছে বশে কুরছি লাগাইয়া * চান্দ শুয়্য তুল্য রূপ দেখে চমৎকার ॥ বড়ই হেছিন রূপ জতানি বাহার * এয়ার তু চারি জন কাছে আছে তার। ছারেজ বাজায় মর্দ্দ হাতে আপনার *

ক্ষা চল্লছে বাজাওয়ে ছারেল্প তানা * দ্রিম দ্রিম দ্রিম দ্রানা নানা না * গাওরে বাজাওরে তানা, দ্রিমতা দ্রিমতা দ্রিমতা দানি তানানা * তোম দেরে তাদেরে তানি, ধাতেল তেলেনা দানি, তোম তোম তোম ধেলাল্প ধেলাল্প ধাতেল্প ধাতেল্প বাজে তেলেনা *

* পয়ার * শুনিয়ে বাজার তান দেখিয়ে ছুরঙা।
তাজ্জ্ব হইল পরি নাহি শরে বাত * এনছানে এমন রুপ দিলো
পরতার ॥ হুর পরি মহ হয় ছুরতে এহার * য়ৄয়ুকে য়ৢয়ুকে
মোরা ফিরিয়া বেড়াই ॥ আদুমের রুপএয়ছা কভু দেখি নাই *
চাহিয়া রহিল বিবি বেহোশী হালেতে ॥ আসকের তির ভার
লাগিলো বুকেতে * হোশ হারা হইয়া বিবি রহিল চাহিয়া।
গোলসান জামাল দেখে নজর করিয়া * অরুন উদায় জেনো
দারওাজা উপর ॥ রওশন হইল ঘর রুপেতে ভাহার * কিবা
মুক নাক চক্ষু কিবা ছুই ভুরু ॥ কুচণ্ডেন্ত ছুটা কিবা মাজা খানি
শরু * একেতো পরির জাত তাতে নও জ্ঞান ॥ দেখিয়ে বিবির
রূপ গোলশান হয়রান * গোলশান আসক হৈল বিবির উপরে॥
আশক মাশুক দোহে হইল বরাবরে * আশকের হালে মুর্জ
হারাইয়া জ্ঞান । আপনা মতলব মোত আর্জিল গান *

* ফারছি হিন্দি ও বাঙ্গলা মিগ্রিত গান *
দেওানা কিয়া দেলতো মেরা তুনে পেয়ারে * গামজা ছে

পারি, বলো কি উপায় করি; ওষ্টা গত চইল এখোন * লিয়া ত্তনেজানি মোন হামারে *মেরে তা নার ন্যান বান, হরে নিলে যোল জাল, হলো যোল উচাটল, রহেলা গরের আতরে · ष्ट्रानि वयरठा दशाष्ट्राः, शब्लुट्ट मिलिया क्या, नामारक प्रान ঠাণ্ডা করো জান হামারে * দেখে তোমার বুগল সরন তুলে গেছে মোর মোন, শসি মুখ হেরিরা তোর প্রান বিকরে * * পরার * দেখিয়া আশ্চয্য ভাব এয়ার গোন জারা তুত্রা মহলে উঠে গেলো জে তাহার * তবে সে গোলণন वल मुना कामलिन। कि जूमि जूमात वाला वला कार्य छनि कि नाम दकाशास घत काहात निकान। विकास विवाद द्यादा मुना कमलिनि * मातिल यागरकत जित्र वाचात वरकरक। इते क के कित्र हिंच कि भारिका निर्देश के वियोगन वान वादन पियारहा जालिया। त्य जानत्न त्यान त्यान कि जिल कलिया * षादेश्थ প्रान भारत वालिक्षन पिरम । मिलन वाति वाति पति निভाইয়ে * नछवांदात विवि वल भारता (यहदत्वान। नछ वादात নাম মেরা ঘর পরিস্থান * ফর্রাথ নামেতে পাহা বাপজে আমার পরিস্থানে ঘর বাদসা পরির ছরদায় * ছয়ের করিতে জালী এহি মুলুকেতে। তোগার বাগেতে আইন তামালা দেখিত -ভোমার ছুরত ছবি নজরে দেখিয়া। পাগল হইয়া গেরু আপনা ভুলিয়া * আশকের ভির তেরা লাগিল বুকেতে। খুলিতে পারি তির কলেজা হইতে * কারি তির লাগিয়াছে বুকেতে वागात। दयान नाथि देशन एक वाघारक जारात क

* নত বাহার বিবীর খেদের গান তাল জৎ

উপায় করি কিহে বলনা এখন। মোলের ব্রাই জনি
বোবোনা গোর তুনয়ন

* তোমার এফের তিরে

বুকেতে লেগেছে মোরে, কলেজা হইল বার লে বিশে

দহেরে মোন

* অবলা শরলা নারি, এজালা কি শইতে

* গোল শান

*

* গোল मान जागालित (थम छेकि *

* পয়ার *

পেয়ালশন জামাল বলে শোন প্রান্
প্রিয়ে। ঐরপ কলেজা মোর পিয়াছে ছেদিয়ে * জেমন
তোমার প্রান জলেছে বিশেতে। তেমনি আমার জান লেগেছে
জলিতে * আইশং পানেম্বরি বৈদনা কাছেতে। উভয়ের মোন
ঠাপ্তা করো মিলনেতে * এত বলি শাহা জাদা চলিল উঠিয়।
নও বাহারের হাত ধরিল জাইয়া * সল্পি পরি গোন দেখে তফাত
হইল। গোল শান বিবীর জবে হাতেতে ধরিলো * জতনে বসায়
দোরে পালল্প উপর। আশক মাশুক দোহে খোসাল অন্তর *
নানা ছলে কথা বলে মধূর বচনে। গোলাঘি শারাব বশে খায়
তুই জনে * শারাব খাইয়ে দোহে হৈল মর্তহাল। চুয়্ব আলিম্পন
করে গালে দিয়ে গাল * সায়ের করিন্ আমি কেচ্ছার মাফিক
আব্দুল শুকুর নাম ওরফে মানিক * পয়ার ছাড়িয়া এবে ত্রিপদি
আকারে। দোহার মেলন করি খোশাল খাতেরে *

* গোল সান জামাল ওনও *

 * বাহার বিবীর প্রথম মিলন *

* जिलिंगे *

वारातित (शांति राज ति लिंगान)

कर्रिन वार्ज, कांग्र जांदि रस गर्ज रान । इरम श्रम र भान,

करत पृत्र ज्ञानिक्षन, पृष्टे करन वर्ण्डे रयामान * ने वारात रेहा

थूमि, शांन मार्नित कांछि वमी, कर्रि कथा श्रमूत वर्षन । ग्रूरथर्ज्ञ

श्रमूत राम, करत जांदि मद नाम, रुक्त शिरत करण्डा स्थान *

श्रम्त राम, करत जांदि मद नाम, रुक्त शिरत करण्डा स्थान *

श्रम्त राम, करत जांदि मद नाम, रुक्त शिरत करण्डा स्थान *

श्रम्त राम, करत जांदि मद नाम, रुक्त शिरत करण्डा स्थान *

श्रम्त राम, करत जांदि मद नाम, रुक्त श्रम्त वारात स्थान स्थान कर्मा । स्थान स्यान स्थान स

पादात यान * शाल २ त्रक्र, काल १ ७ को जूक, लाशाहेरत प्रम जालिकन ॥ यन २ म्पूरत वाका, जाट करत दक्ष
यका, कृष्टे करन दहेल यिलन * गिर्टातल करलवत' ज्ञक कार्य
थरत थत, प्रमू मूक्ष तिहल लाक्ष्म जिल किल पार्टि हिल
जान्यमान कार्ल, ने वादात शाल मरन वर्ल, कार्रे धर जान्यमा
स्तर्छ। निमो दला ज्यनान, कार्रे धर्म निक द्यान, विषाय
कत्रद द्यान नार्थ * यामा कृषी जाल करत, भून काल जामव
किरत, উভয়েতে दहर्द कि प्रथा। जूलाना जामारत व्यान,
कुनीतू कामारत व्यान, जामारत यान, जामारत व्यान,

গোল সান জামাল বলে সোন * 9117 * প্রান প্রিয়ে। কেমনে জাইতে চাহ আমাকে তেজিয়ে * তোমা ৰিনে কেমনেতে রহিব ঘরেতে। না কহো এমন কথা আমার সা-ক্ষ্যাতে * তোমা বিনে প্রান মেরা বাচিবে কেমন। সদাই রহিবে মেরা মোন উচাটন * নও বাহার বিবী বলে সোন প্রান সখা। ভোমার সক্তেপুণ হবে কালি দেখা * মেরা জান তেরা হাতে বন্ধন হইয়াছে। ধড় খাত্র জাবে সেথা কহি তেরা কাছে * রবি অস্তে গেলে উদায় হইবেক সশী। আবস্য তোমারে দেখা দিব আমি আসি * এত বলি পরি জাদি হইল বিদায় ॥ জাইয়া পৌছিল তার মাতুল আলয় * চারী পাঁচ পরি জারা সঙ্গেতে আছিলো। হেতা কার হাল তারা জানিয়া জে ছিলো #নও বাহার বিবী সেই পরি স্বাকারে। কছ্ম দীলেক ধনি নানান প্রকারে * দোহাই দিলেক ছেলেয়ান নবিজীর। নাকরো ২ বুরু একথা জাহির রাহা পরে পরি গোনে তালীম করিয়া। মাতুল আলয় বিবী পৌছিল জাইয়া * সারা দিন কাটে বিবী উচাটন মোনে।। পহর এক রাত্র জবে হইল গগনে *জাইয়া পৌছিল বিবী গোল সানের घत्त। शाल मान इडेल थूमि प्रचीय विवीत * वाडेमश शान প্রিয়ে বৈস যোর কাছে। তোমা বিনে জান মেরা বেকরার আছে ত্রতো বলি সাহা জাদা গান আরম্ভীল। মিষ্টি মূরে নও বাহারে खिमाड लाशिल *

* 列司米

আইস প্রান চান্দ বদনি হাদয় যাঝারে রাখি। হেরে ভোমার চন্দ্র মুখ জুড়াই আমার জগল আখি * কাল জখন পান গেছো তুমি, পথ পানে তাকিয়ে আমি, তিলেক না দেখলে তোমায় শ্বশ্ন ময় দেখি *

> * ফর্মখ সাহা নওবাহার বিবিকে* * करम कित्रवात वमान *

* नशांत * নও বাহার রোজ ছায়েরের বাহা নায় গোল শনের নিকটেতে আশে আর জায় * খুসির সাগর দোহার উঠে উথলিয়া। করেত পেয়ালা বাজি খুসিতে মাতিয়া *প্রেমের নাহিক পার আশক মাশুকে। জড়া জড়ি কোলা কুলি করে শু को जूक अ मिहात यूर्थ एक मिर्ट करत एक पूत्रन। शानश शास्त्र দোহে করে আলিজন * জামিনি কামিনি লইয়ে শুখেতে কাটায় निजी व्यवमादन विवि निक श्वादन काय * এই कृत्न नित कामि निष्ठा षाइटम काम ॥ बागक याक्षक द्वाक क्षरथटक यानाम * এয়ছাই কতেক দিন গুজরিয়া গেলো। নও বাহারের পরে আকত ঘটিল * এক পরি গিয়া ছিল ফিরিবার তরে॥ নও वादादत (पर्थ (शालगन छञ्जूदत * मताव थाहेशा (पाट्ट देशा बजा हाल। कतिराज्य हुन्न जान शाल जिर् शाल * प्रिया जा হাল পরি ঘরেতে আসিয়া। বিবির যায়াকে কহে বয়ান করিয়া * लानिया विवित याया এই শयाहात । वक्छ हरेल शासा (मटल व्यापनात * विनया वाहिल वर्ष शायाय छतिया। नख वाहात मिट्रे ७एक भोष्ठिल वामिया * दिन्य विवित ज्दत भाषाय कलिल।। शालि पिर्य न व वादा द किएक लाशिल * ভालां छ ছয়ের তুই করিবারে আলি।। আখেরে পরির কুলে কালি লাগা-ইलि * कतिलि कृत्नित (थाष्ट्री नाहिक न्त्रय । जूत इ उ दिशा

হইতে পাপীষ্ঠ অধম * বাদদা ভোমার বাপ পরিস্থানে ঘর। পরির ছরদার বটে বড়া নামদার * তাহার কুলেতে কালি जिलि लागा है सा ।। (क यदन दियावि यूथ वाष्मादक का है या अ ভाই বেরাদারে মুখ কি রুপে দেখাবি॥ পরির মহফেলে তুই क्यान कारेवि क शत कां क रहेत्य (यतना व्यापत्यत गारक। করিলি কুলের খোট। পরির কুলেতে * এই মোত কতো শতো করে ফজিছত । ফর্খ শাহার কাছে লেখে কেভাবত * বিবির সঞ্জেতে তিন চারি পরি দিয়া॥ ফর'খ শাহার কাছে দিল পাঠা-रेत्रा * (लथन थूलिया भारा जयन পिछल। वाक्र पत पत एकन আগ লাগাইল * পরির মূখেতে শুনে তামাম খবর ॥ গোস্বায় बाक्रुन जात काँदि थत थत 🔅 त्शांचा (जल इहेर वदल त्मान्दत কোমজাত। আদয়ের সঙ্গে খেলো হৈয়া পরিজাত * নাহিক শর্ম তেরা নাহিক ভরম॥ কুলে কালি লাগাইলি পাপিষ্ঠ অধ্য * কেমনে দেখাবি মূখ পরির সভাতে॥ করিলি কুলের খোটা আষার কুলেতে * ভালো তুই গিয়া ছিলি ছয়ের করিতে॥ আখেরে মজালি কুল আদ্যের সাতে * এই যোত কতো শতো ফজিহত কোরে। মহলে পাঠার তার মায়ের হুজুরে 🕸 মহ-লেতে থাকে বিবি পরিগন সাতে। নিসিতে চলিয়া জায় এয়ার কাছেতে * নও বাহার বিবি দেখা নিত্য আইণে জায়। শহ চারি পরি কেন্ড দিশা নাহি পায় * এয়ারে লইয়া খুদি করে निनी काटल। निनी ञ्यादन जारेटम जायन। यर दल 🔆 এक রোজ নও বাহার গোলশনে কহিল। সোন হে প্রানের নাথ যুক্তিল ঘটিল * তোমার প্রমেতে মজে আমি আসি জাই। প্রকাষ হইয়াছে তাহা ছাপা দেখো নাই * কোন অজে কিবা ঘটে কহিতে না পার ॥ জানের তুশমন যেরা আছে জতো পরি * অতএব কহি আমি লোন প্রান শ্রা। বিপদে পড়িলে ांशदा पिदव कृषि (पथा *

তহে প্রান শখা, দিও তুমি দেখা, সঙ্কটেতে জদি পড়িছে কখন। জত পরিগন হইল তুশমন, সঙ্গে ২ তারা ফেরে সর্ব ক্ষন * হেলিতে না পারি, শদা ভয় করি, পায় ২ ফেরে জত শখি গন * না জানি ললাটে, মোর কিবা ঘটে, নিকটে বুঝি আসিল মরন * কপালেতে জাহা, হইবেক তাহা, ভাবিয়ে আর চারা কি এখন *

अश्रात *
अङ विल ने विश्वार विश्वार । জাইয়া পৌছিল বিবি আপনা আলয় * এক রোজ নও বাহার জাইতে আছিল। শহচরি পরি এক দেখিতে পাইল * নও বাহার বিবি গেলো এয়ার কাছেতে॥ গোপনেতে সেহ পরি গেল তার শাতে * নও বাহার বিবি জত করে ব্যাব-হার। ছাপাইয়া দেখে পরি সকলি তাহার * দেখিয়ে শুনিয়ে পরি ঘরেতে আসিয়া। বিবির মায়েরে কহে ব্য়ান করিয়া * শুনিয়া বিবির যাতা গোশা দেল হৈয়া। সেরনর মোত বিবি त्रिल विभाग ॥ दश्न कारल नख वाश्त वाश्न घरत्र ॥ ডাকিয়ে তাহার যাতা লাগিল কহিতে * এমন কুকর্ম করো বেহায়া ব্য়তাল। নাহিক শ্রম করো এমোন খেয়াল * কুলেতে কলঙ্ক হৈল ওরে অভাগিনি॥ তোমার মোনেতে এত আমি নাহি জানি এই মোত দিয়েগালিজাইয়া তখন। ফর্ক্সখ সাহেরে कट मेर दिवत्न * शिनिएस फर्क्स मादा भाषा (पन देशा। ना বাহার তরে কত ফজি হাত কিয়া * কয়েদ রাখিতে তারে ছকুম করিল। শুনিয়া ছকুম জত পরি গন ছিল * আলাদা মহলে কয়েদ রাখিল তাহারে। পাচ শাত পরি রাখে নেঘাবানি তরে मारा वाल नारम दमल ছिल এक জन॥ दो तारा পরেছে রাখে তারে নেঘাবান * কহে আদমের জাত পরির সহরে। কোন षिश रेट्ट क्ट ्यामिट मा शाद्त * माहा वाल पिछ **क्**ड লিয়া দেও গন। চৌরাহার পরে রহে হৈয়া নেঘাবান * নওবাহার विविक्षि करम रहेल ॥ जात २ रहेर प्र विवि कान्मिए लाशिल

খরের বাহির বিবী জাইতে না পারে। এয়ার শোগেতে বিবি হায় ২ করে * নাহি খায় খানা পানি করে হায়২। নও বাহার বিবি হইল পাগলের প্রায় * জার২ কান্দে বিবি এয়ার কারন। স্থির নাহি হয় সদ। উচাটন মোন * হায়রে প্রানের নাথ রহিলে কোথায়। না দেখিয়ে তোর মুখ প্রান ফেটে জায় তোমার লাগিয়ে সদা মোন উচাটন। দেখা দিয়ে রাখো পুন অধিনের ধোন * এ সয়য় প্রান নাথ রহিলে কোথায়। কারাগরে দেখো বদ করিল আমায় *

* 利利 *

কোথা রলে পান সখা দেখা দিয়ে পান রাখ * তোমা বিনে জায় প্রান বারেক আসিয়ে দেখ * তোমার লাগিয়ে প্রান, সদা আছে উচাটন, জায় ২ প্রান মোর না হেরে তোমারি মুখ * কারাগারে বদ্ধ আমি,কোথায় রহিলে তুমি, জবলা সরলা প্রানে সহেনা আর এত দুখ *মানিক কহে সে বিবিরে,কেনে কান্দিতেছ ফিরে এ তুখ রবেনা পরে, সোগেতে পাইবে শুখ *

* পোল সান জাগাল নও বাহার বিবীর *

* কারন বেকারার হইবার বয়ান *

* श्रांत *

दशाय ॥ त्शाल मात्नत काष्ट्र जात जारेट ना शाय में मारा वाल पिछ तरेल कीतार शर्ता । नछ वारातत शर्ता करत ज्ञाल भित्र किति किति शर्ता निया विषे नारि शारा । पिया निमी काष्ट्र विप्त जित्र जिल्ल कार्य परत जिल्ल कार्य मारि चाय थाना शाम ना करत ॥ ताज पिन काष्ट्र वियो अयात थार्ड सं श्री यात कल जून किल मूथ मिन ॥ त्यार्श वियो अयात थार्ड सं श्री यात कल जून किल मूथ मिन ॥ त्यार्श विष्ठ यिन रहेल नारि हाँ मि थूमि के जारे प्रात ताज अयहा शाकातिया जाय । उथात शाल मान ज्ञान लित नात त्या किल श्री किल ग्री किल श्री किल ग्री किल श्री किल श्यो किल श्री किल श्री किल श्री किल श्री किल श्री किल श्री किल श्री

হাল হৈল বোঝা নাহি জায়। প্রান প্রিয়ে বিনে মোরে প্রানে বাঁচা দায় * হায় বিধি কি করিলে নছিবে আমার। দিয়ে ধোন কেড়ে নিলে একি অবিচার * আকাসের চক্র দিলে হাতেতে তুলিয়া। পুণ তারে নিলে কেড়ে নিদমা হইয়া * আশ্বো বলে প্রান প্রিয়ে হেথা হইতে গেল ॥ না জানি কি হাল হইলো কেননা আইল * কেমনে রহিব আমি ছাড়িয়ে তাহায়॥ তাহাকে না দেখে মোর প্রান বাচা দায়* তিলেক না হেরে জারে বাঁচিনা পরানে। তাহাকে ছাড়িয়ে ঘরে রহিব কেমনে * হায়রে প্রানের প্রিয় কোথায় রহিলে।। দূখের লাগরে মোরে ভাসাইয়া শেনের প্রিয় কোথায় রহিলে।। দূখের লাগরে মোরে ভাসাইয়া লিয়ে প্রান রাখ হইয়ে সদয়॥

* 811 *

ও প্রান রহিলেকোথায়। না হেরিয়েতবমুখ প্রান মোর জায় * ना दल्य रम हल मूथ, विष तिरंश कां श तूक, मरहना वात এত দুখ, কহিব কাহায় * কোখা হইতে হেথা এলে . শানা ছলে ভুলাইলে, যোল চুরি করে আমার রহিলে কোথার * রাম ধেরু জিনি ভুরু, কিবা মাজা খানি সরু, কুচশুম্ভ प्रियादेश जूलाल जायात * ठक जूला युथ थानि, जादारज মধুর বানি, মেগেরজিনিয়া চক্ষু রহিলে কোথায় * উর্দ্ধ নাশা দিঘ কেশী, মুখেতে মধুর হাশী, গলে গজমতি হার নেপুর দুশায় # হাতেতে কম্বনশাজে, পায়েতে নেপুর বাজে, কোমরেতে চল্র হার কিবা শোভা ভায় * হাতে मार्क लोहि वाला; গलে हान कलि याला, कारनर छ कनक वाला, (पर्थ थान जाय % (पर्थ তো गात हक्त वपन, ভূলে জায় মনির যোন, হরিলি আযার যোল, পিয়ারে व्यायाय * প्रथम यिलन कारल; नाना हरन जुलाहरल, तम अव कथा जूरल এখन तहिरल कोथा । 🛪 जायात लागित्य প্রানে, পোড়ে যোল হতাসলে, দেখা দিয়ে রাখ প্রান ধরি তবো পায় * আমিত তোমার দাশ, নাকরো মোরে নৈরাশ, পুরাও মোর মোন আশ্ আসিয়ে হেথায় *

* পয়ার *

* পয়ার *

* পয়ার করে ধারা বহে তু নয়নে * নাহি খায় খানা পানি
করে হায় ৯ ॥ উলঙ্গ পাগল বেসে কান্দিয়ে বেডায় ॥ হায়রে
প্রানের প্রিয়ে কোথার রহিলে। দুখের সাগরে মোরে ভাসাইয়া
গেলে * দুখেতে ডালিবি জদি ছিল তোর মোনে। শুথের
পালক্ষে তবে বসাইলে কেনে * আগেনা রুঝিয়ে প্রান শুপিয়ে
ভোমায় ॥ এখন তোমার লাগি প্রান মোর জায় * আগে জদি
জানি ভোমার কঠিন হৃদয় ॥ তবে কিহে প্রান মোরে ॥ রেখে
ছিলাম জত্ব করে হৃদয়ে পীজিরে * অবসেসে দাগা দিয়ে
গেলে পালাইয়া॥ তালাষ করিয়া ফিরি ভোমার লাগিয়া * মোন
ছরি কোরে মোর পালাইয়াছ পাখি ॥ ভোমার কারনে মোর
ঝোরে হুটী আথি॥

* গান রাগিনি বেহাগ তাল আড়া *
আমারি মোন চোরা পাখি ফাকি দিয়ে গেছে উড়ে।
কে এমন বেখিত আছে সাধের পাখি দিবে ধরে *
না হেরিয়ে সেহি পাখি, দিবা নিসি ঝোরে হার্টি কোন
সব সন্যায় দেখি প্রান বুঝিজায়রে ছেড়ে *

* গোল সান জামাল নও বাহার *

* विविदक अपरन दमिथ वात व्यान *

* जिलि कि ने विदारित जाकि, महाकान कालन प्रकार कार के काल्म निवानिमि॥ नाहि थाय थाना लानि, काल्म प्रकार ताज निनि, प्रानिन हरेन गूथ ममी के प्रत्य करत हायर काल्म प्रक छेक्जाय, कृष्टे हत्क वर्ष्ट नित धाता॥ कि कतिव काशा काव, किप्रान्ट मिथा लाव, लिख स्थान हरेग्ना कि काला काव, किप्रान्ट मिथा लाव, लिख स्थान हरेग्ना कि काला काव, किप्रान्ट मिथा लाव, लिख स्थान हरेग्ना कि

शता 🔆 शायत প्राप्तत शिरम, काशा तहेल नूकाहेरम, इत्कत माशदत जालिया ।। ना पिथ जायात्र यूथ, विषित्य जाय वूक थान मान करता मिथा मिर्य * এই शास्त्र मिवा निमि, कारम गर्फ घरत विम, আহার निजा नाहि তারে। निजाয় করিল জात, व जाशि रहेल धात, लाग्न यक विष्ठाना छे पदत * নিদের খোমার ছিল, স্বপনে দেখিতে পাইল, নও বাহার वाहेल (क घरत। खरगात कितन (कश्रष्टा), घरत প্রবেশিল তেয়ছা, কহে কথা অতি মধু স্বরে * কাছেতে বসিয়া বিবী, प्रिथाय जालना ছिव , ट्रिंग २ यूर्थ कथा क्या । जाललात किर्य হাত, কহে শোন প্রান নাথ; তোমারে না দেখে প্রান জায় * তব বিরহেতে মরি, স্থির হৈতে নাহি পারি, টিকীতে না পারি वाशो घरत ।। अशानल पर आन ; मना छिन्न कान , व्य शि-ल त्न जा वा चि त्वारत * ७८ हार वात्तत वान, रमल त्व थान पान, प्रद यादि ७ इ थान नाथ ॥ प्रधू गूर्थ कथा कछ, উঠিয়া জে পান খাও, ঠাণ্ডা করো গায়ে দিয়ে হাত * আমিত তোমার নারি; তবো জন্যে দেসন্তারি; হইয়ে আমি এসেছি এ प्ति। कत्र निष्त करता, बाबात बातक धरता छैर्छ कृषि देवस्मा মোর পাসে * সোন প্রান কহি তোরে, আছি বন্ধ কারাগারে, পরিস্থানে বড়ই কেনে। বিনয়েতে কহি আমি, অবিস্য জাইবে ष्ट्रिंग, পরিস্তানে আমার তালাদে * এই মোত কথা বলে, গোল সনের ধরে গলে; সোয় বিবি হইয়ে এক সাত। গোল সান ধরিল গলে, সোয় দোহে মত্ত হালে, কোমলেতে রাখিয়ে জে হাত * কাম ভাবে মত্ত হয়ে, উরু দেসে উরু দিয়ে, গলা তার ধরে সামদীয়া॥ नित्मत খোমার ছিল, তখনি ছুটীয়া গেল' দেখে মর্দ তু আখি খুলিয়া * শ্বণনেতে বিবী ছিল, নানা ছल जुलाईल, नाहि (पर्थ (ठजन रहेशा ॥ छेठीशा विद्याना रहेरज, जालां जिल नाना गटक, वालांथानांत को पिट्न (विष्मा * जाला-भीया नाहि लायः कदत गर्म हाय हाय, शाल जाक विवी नख वाहात ॥

হায় বিধি কি করিলে, দিয়া কেনে কেড়ে নিলে, পুন ্ত্র পাব কিবা তারে

ক্ষ ললাটেতে আছে জাহা, অবিশ্য হইবে তাহা, জাব আমি দেশ দেশান্তরে। কোথা গেল প্রানেম্বরি, তালাশ করিয়া ফিরী, জদি বিধী মিলায় তাহারে

*

* পান তাল জৎ *

* ঘরে রহিতে ভার হইল এখন না *

* হেরে সে চন্দ্র মুখ উড়ং করে মোন *

* জে দেসেতে গেছেপ্রিয়া, জাইব *

* উদাসী হইয়া, চুড়িব সে দেশে *

* গিয়া আমারি প্রানেরি ধোন *

* গোল সান জামাল নও বাহার বিবীর*

* তালাসে দেসেন্তর জাইবার বয়ান *

* পয়ার * গোল সান জামাল তবে বিবীর কারন। স্থির हिट्ड नाहि शाद स्थान छिठाछेन * क्ल्प्स हारम क्ल्प्स कारन हायर करत। क्लालर क्लोरफ काय वाशान वाहिरत * ना शारत त्रहिट्ड घ्रत् भागलत भाग विवीत जालारम गर्क त्नकलिया জায় * রাত্র নিসী কালে মর্জ বাহির হইল॥ চাকর নফর क्छ जानिए नातिल * घत रहेए तिक लिया हिलल রাহেতে। পরির মুলুকে মাশুকের তালাদেতে * কোন দিগে ঘর তার না জানে খবর। কেবল ভরসা দেলে পাক পরতার * রাত্র দিন জায় চলে না করে ফকাম। নাহি খায় খানা পानि ना करत जाताग * निवा तां जां जां हाल विक्रित हाल। কখন রাহেতে চলে কখন জঙ্গলে ‡ভুকেতে কাতর জিদ হয় অতি-সয়। দরক্রের পাত ফল ভূড়িয়া জে খায় * এই রুপে সোল রোজ গোজরিয়া গেল॥ বড়া উচা পাহাড় এক ছামনে পাইল * জাইতে ২ গেল নিকটে তাহার॥ তাকাইয়া দেখে মর্দ্দ করিয়া নজর * বড়া উচা পাহাড় শে আকাশ সমান। চড়িল উপরে তার ভাবিয়া ছোবহান * পাহাড় উপরে দেখে করিয়া নজর।

ललि तक शाहाए मि लक् वतावत * वड़ा २ शाह बार्ट छिश्रे তাহার। ফুল ফল ডাল পাতা লাল রক্ষ তার * চরেন্দা পরেন্দা তার জত জানপ্রার। লাল রঞ্জ রুপ তরে দেখিতে বাহার * দেখিয়া পাহাড় দেলে খুসি অতিশয়। পাহাড় উপরে মর্দ্দ ফিরি-য়া বেড়ায় * কত ছুরে দেখে এক পানির নহর। লাল রঞ্ পানি তার লহু বরাবর * লাল রক্ত মাছ তাতে আছে বহুতর খাড়া হৈয়া দেখে মর্দ্দ তামাসা তাহার * সেথা হইতে কত हूत त्नक लिया जाय। जाजिंग वागान এक मिथ वादत लाय * व्यक्तिस्य नियान वान कि किता कि लात ॥ कल हिता निया नाथा পেওার তাহার * দরওাজা উপরে আছে সোনার কেওাড়॥ অমুল্য পাথর তাতে আছে বেশুমার * দেখিয়া বাগের খুবি খোসাল অন্তরে। খিরে ধিরে গেল তার দর্ভাঙ্গা উপরে * দর্ভাঙ্গা উপরে দেখে করিয়া নজর। লোক জন নাহি কেছ বাগান ভিতর ্ৰিছত জে আছে গাছ বাগের ৰিচেতে। নানা রক্ত ফুল ফুটে আছেত তাহাতে *বছতর আছে মেণ্ডা গাছেতে ধরিয়া। খোসা-'ল হইল অতি বাগান দেখিয়া * খোদার ভরসা মর্দ্দ করিয়া দেলে-তে। वारशत विरुट्ड शिला छात्रामा । पिथि क क दूरन িগিয়া দেখে আছেত তালাব। পানির খোস বোয় তার জেমন গোলাব * তালাবের চৌদিগেতে নানা রক্ত ফুল। ফুলের শৌরবে মোন হয়তো আকুল * মোন্দা ২ বাও ভাতে বহিছে প্রবে। ছায়া দার গাছ কতো আছে স্থানে স্থানে স্কুক পেয়া-ছেতে অতি আছিল কাতর। খাইল জে মেণ্ডা খুব পাইয়া মজা দার * তালাবেতে খায় পানি আছুদা হইয়া। শুইল গাছের তলে আরাম পাইয়া * রাহের মান্দেগী অতি কাতর আছিল। আরাম পাইয়া মদি শুইয়া রহিল * নিন্দের খোমার কিছু হইল তাহারে। স্বপনেতে দেখে ফের নও বাহার বিবীরে *

* পরার *

অপনে বাহার আইল গোল সান
কাছেতে। গায় হাত দিয়া কহে মধুর স্বরেতে * আহার তালাদে
তুমি হোয় আসিয়া। বাগানের তামাসাতে রহিলে ভুলিয়া *
তোমার কারনে মোন ছট ফট করে। টীকিতে না পারি আমি
বন্দি খানা ঘরে * ওঠহে প্রানের নাথ বৈদ মোব কাছে। অ মিলনে পান মোর দাহন হইয়াছে * দিবা নিসী থাকি আমি চেয়ে
পথ পানে। কত দিনে প্রান নাথ আসিবে এখানে * বিছেদ অনলে
প্রান জলিছে সদাই॥ সীতল করিবে আসী মোনে আছে তাই
এখানে আসিয়ে তুমি রহিলে ভুলিয়া। তুখের সাগরে মোরে কয়েদ
করিয়া * বিলম্ব সহেনা আর ওহে প্রান ধোন। তুরিত চলিয়া আইস
দেশ পরিস্থান * নিন্দের খোমারে অতি বেহাস আছিল। স্বপন
দেখিয়া মর্ল চমকিয়া উঠিল * উঠিয়া না দেখে আর সে নওবাহারে
কান্দিতে লাগিল তবে হায় হায় করে * কান্দিতে ২ মর্ল সেখানে
থাকিয়া॥ পরিস্থান দেসে জায় রওানা ইইয়া *

※ 511司 ※

রাগিনী বেহাগ তাল আড়া ঠেকা *

উপায় করিব কেমন। বারে বারে এসে পাখি হরিয়ে লয়
মান * শ্বপনেতে এসে পাখি, প্রান লিয়া জায় দিয়ে
ফাকি, পুন তারে নাহি দেখি, হইয়া চেতন * ঘুমের
ঘোরে বলি ধরি; ধরিবারে নাহি পারি, মোন আনলে
জলে মরি, ঝোরে তু নয়ন * মানিক বলে রসো রায়,
শ্বপনে কি ধরা জায়; সহজে পাবেনা তারে করহে ভ্রমন
বিপদী
এলাহি ভাবিয়া দেলে, গোলশান
রাহেতে চলে, পরিস্থানে পরির সহরে। কোন দিগে ঘর তার,
নাহি জানে সমাচার, পথের খবর পোছে কারে * লোক জোন
নাহি পায়, খবর পুছিবে কায়, কেবল ভরসা পরতার। তাহা
বিনে নাহি গতি, সেইত সজের সাতি, রাহি লোকের সেহি
রাহাদার * অধিন মানিক বলে, এলাহি মুক্ষিল দিলে, আপনি

म करत् छ छिद्धात ॥ तथामाय छत्रमा पितन, जाय यम तार् हात्न मला (शादन 'रवी मछ वाहां * नाहि शाय थाना पानि ; जाय চলে রাত্র দিনি, তিলেক না করেত আরাম। যাশুকের গোম प्लिल, जिया निमि जां इहल, कान चारन ना करत याकां भ খুদাতে কাতর ভারি; জায় মর্দ্দ ধিরি ধিরি, পৌছে এক নদির কেনারে। গায়েতে নাহিক জোর, ছু আখি হইলো ঘোর, খাড়া হৈল দরিয়ার তিরে * দরিয়া কেনারে গিয়া; দেখে মদ্দ তাকাইয়া, অপার সে তুরান্ত সাগর। মৌজা উঠেছে তার, পাহাড়ের বরাবর। দেখে দেলে হৈল বড়া ডর * অপার সাগর এই , নাও জাহাজ কিছু নাই , পার হবো কেমন করিয়া। চৌদি-গিতে জলে ঘেরা, নাহি দেখি কিন্তি বেড়া, কেমনেতে জাব शात देश । * नाहि पिथ विखि शांख, प्रतिशाश ना पिथ नाख, কোন দিগে জাইব কেমনে। দেস ভূইছেড়ে এসে;বিপাকে পড়িণু সেসে, প্রান বুঝি জায় এত দিনে * বিসাদ ভাবিয়া মদ , দেলেতে ভাবিয়া দদ, আপনাকে আপনি বুঝায়। কেনরে অবধ যোন, ভাব তুমি অকারন; ভেবে আর হবে কি উপায়॥ * ধুয়া বাউলের শুর *

মোন পাগলরে * অপার সাগরে পার হবে কেমন করে *
মোন পাগলরে*চৌদিগেতে জলে ঘেরা,নাদেথি জে কিন্তী
বেড়া, পার হবে কেমন ধারা, সেই কথাটি কও আমারে *
মোন পাগলরে * জার লাগি হেথা এলে, তার দেখা নাহি
পেলে, প্রান জাবে ডুবে জলে, রক্ষ্যা কে করিবে তোরে *
মোন পাগলরে * মানিক বলে গোলসান সনাে, মিছা তুমি
ভাব কেনাে, করাে দ্বরন নিরাঞ্জনাে, সেজন পার করিবে
তোরে * মোন পাগলরে ॥ রহমের সে তার দিয়া, আপনি
কাণ্ডারী হইয়া, কোদরতের পাল উড়াইয়া, সাগর পার
করবে তোরে * মোন পাগলরে।। সেবিনে নাহিক গতি
সেইত সঙ্গের সাতি, কিবা দিবা কিবা রাতি, পশি লােকের

সক্তে ফেরে * মোন পাগলরে ॥ কানাকুজা নেক্কড়া লুলা ,
আর জত পথ ভোলা ; দেখায় সে পথ একেলা. কেউত পথ
দেখায় না তারে * মোন পাগলরে ॥ কিট আদি পতক
পক্ষ্য , জিব আদি লক্ষ লক্ষ , সবায় সে করে বৃক্ষ্য, রক্ষ্যাকি
কর্বে না তোরে * মোন পাগলরে । জল মধ্যে কিড়া থাকে,
সেথা রক্ষ্যা করে তাকে, রক্ষ্যকি করবেনা তোকে, পক্ষ্য
পাত সে করেনারে * মোন পাগলরে । ইউনছ নবিজি ছিল ,
মাছে তারে প্রাসিল;তাহাকে সে উদ্ধারিল'আপনি সে করম
করে*মোন পাগলরে । খলিলুলা পয়গয়রে, কাফেরে ধরিয়া
জোরে , জাতসেতে তালে তারে, সে আতসে বাচাইলরে *
মোন পাগলরে ॥ মুছ নবি ভুফানেতে , পড়ে ছিল
জেদিনেতে, আপনার রহমেতে, ভুফানেতে বাচায় তারে *
মোন পাগলরে ॥ সে জনার কোদরত এমন , করো ভুমি
তারে ম্বরন , করবে ভোমার ত্ব্ল্যু মোচন, লিবে ভোমায়
সাগর পারে *

* গান রাগিনী বেহাগ তাল আড়া *
কি তুসিব বিধাতারে সকলি কপালে করে। তুক্য বিনে
তুরা দ্রপ্তে বুঝি শুখ আর হলনারে * মোনে জত ছিল
আসা হল সকল ভঙ্গ দসা, মোনের আসা মোনে রলো
ভূপতে হল তুখ সাগরে * জার লাগি হেথা এলেম,
তারে নাহি দেখা পেলেম, এখন আমি মরি প্রানে
জানিতে কি পারে সেরে * জায় জাবে প্রান নাহি তুখ,
কেবল মাত্র এহি তুখ, দেখ্লাম না তার চল্র মুখ, এ তুখ
আর সহেনারে *

* পয়ার
দরিয়া কেনারে য়ঢ় বিসয়া রহিল
উপায় না দেখে কিছু ভাবিতে লাগিল ॥ রবি অস্তে গেলে সসি
পৌছিল আসিয়া।। দরিয়া কেনারা হইতে চলিল উঠিয়া। বড়া
এক গাছ ছিল নদির কুলেতে॥ জাইয়া পৌছিল মদ্দ ভাহার

নিচিতে * খুদাতে অন্থির মৃদ্দ ছিল অতিশয়। কাতরে রহিল পড়ে গাছের তলায় * বেগমা পক্ষির জোড়া রৈত সে গাছেতে বাসা করে ছিল তারা গাছের ডালেতে * তুই বাচা ছিল সেই বাদার ভিতর ॥ চকু দান নাহি হইয়া ছিল দোহাকার * খোরাক লইয়া সেই ছানার কারন।। রাত্র কালে আইল সেই शाथि छूटे जन * খादेवादत मिल मिट वाका मादाकादत। খোরাক না খায় তারা কহে বারে২ * এত দিন হইল চক্ষু দান নাহি পাই। খাইবারে দেহ কিবা দেখিতে না পাই।। জত দিন ठकू जान त्यारज् ना रस ॥ कि छूना थारेव त्याता जानित नि कस * শুনিয়া বাচ্চারকথাপাখিতুইজন ॥ কহিতে লাগিল তবেকরিয়া বর্ণন थामा ठाट्य कालि ठक्कू इडेरवक मान। थामाला था अ भार যোদের পরান * বাচ্চা দোহে বলে তবে সোন মেহের বান। কি রুপেতে কালি চক্ষ্ হইবেক দান * এত দিন গুজারিয়া এই राल (शल। या या पात ह क् पान नाहिक रहेल * कालि ह क पान र्दि दक्या প्रात । বোঝাইরা কহ দেখি সেই সমাচার * अनिया ছানার কথা পাখি তুই জন। কহিতে লাগিল তবে করিয়া জতন গোলশান জামাল নামেবাদসার নন্দন॥ কাঞ্চনপুরেতে ঘর সোন বিবর্ন * নওবাহার পরিজাদি পরিস্থানে ঘর। আসক হইলমদিতা-হারউপর*সেই মর্দ্দ আসিয়াছে গাছের নিচিতে। চক্ষু দান তো-মাদের হবে তাহা হৈতে * তাহার জে লহু দিলে চক্ষেতে তো-মার। চক্ষু দান হবে তবে সোন সমাচার * পাখি গন কহা বলা করিতে লাগিল। গোলসান জামাল সব শুনিতে পাইল * খোদার ভরসা করে রহিল বসিয়া॥ নিসি গোজারিয়া দিন পৌ-ছিল আদিয়া 🖟 পাখি তুই জন গেল আহার আনিতে। পোল সান জামাল তখন চড়িল গাছেতে * আপনা আঙ্গুল মৰ্দ্দ আ-পনি कांगिया। আঙ্গুল হইতে লছ লিল নেকলিয়া * সেই লছ লাগাইল বাচ্চার চক্ষেতে। চক্ষদান হইল তাতে খোদার কোদরতে * বহুতি হইল খুসি বাফা তুই জন। দেখিতে পাইল

তারা ছনিয়া ভুবন * গোলসন জামালে বলে করিয়া খাতের॥ ठक मान मिटल (शांदित कतिरा शांटित * ८क्र वन कतिरा श्रीम আমা তুই জনে। করিব খেদমত মোরা দেল আর জানে * কি জন্ম অর্নে আইলে কহ নাম দার। ভাহার বৃতান্ত হাল করনা পচার 🗱 আপনার কাম জদি পারি করিবারে। ছণ্ডাব পাইব তবে খোদার দরবারে * পাখি দোন এই মত কহিলেক জবে। গোল সান জামাল হাল প্রকাসিলো তবে * জে রূপেতে নও বাহার ছाয়ের লাগিয়া। বাগানের বিচে পরি ওক্তারিলো গিয়া * জে রুপ-তে दूरे क्लार्न (थाभालिज शास्त्र। जिलन रहेला मिरे ने द्वाराह मत्न * कि कृत्पात् पति निख चाम चात कात्र। शिलानत पति জাহা পরি তারে কয় * তার পরেনাহি আসেপরি নওবাহার॥কএদ করিলো করে সপনে পুচার * জে রূপে ভাহার লাগি দেওানা इहेशा। वा अता इहेशा चा हेटम का द्व ना विलशा * प्रतिशा शाद्व জাবে কেমন করিয়া। একে২ সব কথা কহে বুজাইয়া * এতেক শুনিয়া পাখি কহিলো তখোন॥ দরিয়া করিব পার চিন্তা কি এখন পৌছাইব লিয়া তোমায় দরিয়া পারেতে। খোসালিতে থাক তুমি গাছের নিচেতে * দিবা অবসানে গুর্য নিজ স্থানে গেল। তারা গনে লইয়া সসি উদায় হইল * আসিয়া পৌছিল তবে পাখি তুই জন। আহার লইয়া মুখে ছানার কারন * আসিয়া জ-थिल वाका कक नान लाहेल। लाथि पूरे कन वाकि त्थामाल इहेल वृद्दे वाक्का करहे जरव या वान कार्ष्ट्राज ॥ राष्ट्र यर्षे चार्ष्ट्र वरम গাছের নিচেতে * করিয়া মেহের সেহ আয়া দোহাকারে॥ করিয়াছে চক্ষ দান কহিজে তোমারে *জেমনভালাই করে আমা-দোহাকার ॥ তেখনি ভালাই চাহি করিতে এহার * করিয়া মেহের এবে এহার উপরে॥ পৌছাইয়া দেহো এরে দরিয়ার পারে * শুনিয়া বাচ্চার কথা মেহের দেলেতে॥ গোলশানের কাছে এসে লাগিল কহিতে * আসিয়া ছণ্ডার হও আমার উপর * (शाल भान * *8*

পৌছাইব লিয়া তোরে দরিয়ার পার * শুনিয়া এ কথা মর্দ্দি খোসাল অন্তরে । ছণ্ডার হইল তার পিঠের উপরে * বেছমেলা বলিয়া ছণ্ডার হইল জখন। হাণ্ডায় মিশিয়া পাখি উড়িল তখন * শারা দিন গেল চলে শন্যের উপরে। সাম কালে উত-রিয়ে দিলেক কেনারে * বিদায় হইল তারে কেনারে রাখিয়া গোল সান জামাল শেখা রহিল পজিয়া * ভুকেতে আছিল মর্দদি বড়ই কাতর ॥ চলিতে তাকত নাহি গায় নাহি জোর * অধিন মানিক কহে ভাবিয়া খোদায় ॥ পয়ার ছাড়িয়া এবে ত্রিপদীতে গায়

 ※ গোল সান জামালকে দরিয়া কেনার হইতে

 ※ এক কুকুর জাসিয়া লইয়া জায় তাহার বয়ান

* লঘু ত্রিপদী * নদির কেনারে, বছতি কাতরে, সাহা জাদা রহে পড়ে। গায় নাহি জোর, ভাবে পরতার, উঠিয়া জা-है जि नात्त * थूमा जि व्यवन , इहेशा (वरहान , निम कूल तरह শুইয়া। খোদার কোদরতে, শেথা আচম্বীতে, পৌছে কুকুর আসিয়া * শুইয়া গোল সানে, দেখিয়া নয়ানে, কাছে তার আ-দিল। দেখিয়া বেহাল, কোমরের দেওাল, দাঁতেতে তার ধরিল উঠाইয়া জোরে, সন্মের উপরে, নিজ বাসে লইয়া গেল॥ বিবী (ज़रे थात्न, लहेशा (मथातन' ছाম্বে তার রাখিল * मिथातन রা। থয়। ; কুকুর চলিয়া ' আপনার কাজে গেল। বিবী জে তাহার (थामाल हाकात, शाल मात्मदत तमाहेल * विद्याम चाहिल; হোস উপজিল দেখিল তু आँथि খুলে। निम जित्र ছिल, কেমনে আইল, কেবা আনিলেক তুলে * তু আখি খুলিয়া, দেখে তাকা-हेशा, जव एंद्री लिका गरा। ठाठ जागि ताना, जा वालाथाना, দেখিয়া তাজ্জব হয় * হাছিন ছুরত, আছে এক আওরত, খাড়া হৈয়া ছামনেতে। কুকুর জানিয়া, গেলো জে রাখিয়া,সকলি পাইল प्रिथिटिक करहा विवी जान, देश । यह त वान, कान जन वर्षे তুমি * কুকুর আনিয়া, গেল জে রাখিয়া, সত্য কহো শুনি আমি কাহার নন্দিনি আছো একা কিনী, লোক জোন নাহি আর।

কুকুর কে বটে, আমার নিকটে; কহ সব সমাচার * বিবী কহে তারে, কহিব তোমারে; স্থির হও আগে তুমি। সোন সে খবর, গেলো জে কুকুর, সে বটে আমার স্বামি * সে সব খবর, করিয়া প্রচার, কহিব আমি ভোমারে। আহার করিয়া, শুস্থির হইয়া, বৈসনা খোসাল অন্তরে * হেতাকার কথা, রাখা গেলো হেতা॥ কাঞ্চন পুরে কিবা হইল। সমো সর্ব জোন, লিখী জে এখন কি রুপে মাতম পড়িল *

* সাহা জাদা গোল সান জামাল গাাএব *
* হতায় কাঞ্চন পুরে মাতম পাড়িবার বয়ান *

গোল সান জাযाল জবে রাত্র निসী ভোগে कान्मिट (पट्थ किन् नाहि जारा * यात्न विवादिता वाशि প্রীয়ার কারনে। জাহা নছিবেতে আছে জাব পরিস্থানে * এতেক চিন্তীয়া মদ্দ ওঠে ধিরে ধিরে। নও বাহার কোথা বোলে আইল বাহিরে*পৌছিলেক দরগুজার নিকটেতে জবে। দেখে নেগাবান জতোশুইয়াছেসবে%দরওাজাখুলিরা তবে নেকলিয়া জায়। চলিল রাহার পরে বলে হায় হায়*সহর ছাড়িয়া জবে কতো তুর গেল। আলার তামাস। নিসী প্রভাত হইল * রাত্র পোহাইল জবে উটিল मवादे॥ (पिशिला (क मादा कापा भालक्षि व नादे * घरत घरत ফেরে আর বাগানেজাইয়া। হৈরান্হইলসভে তালাসক্রিয়াঃ হায় করে দবে কোথা সাহা জাদা। কি জানি মোদের তালে কি लिখिছে খোদ। * नाপाইয়া माजापां कालियां । তৈ गृह माहां त আগে কহিলেক গিয়া *খবর শুনিয়া সাহা তক্তেরপরেতে। বেহুস इहेमा (शदत कान्पिटा * कि इहेल काथा शिला शाल मान कामाल। हाय हाय (कारत माहा हहेल (वहाल * जन्तत वाहिरत সবে করেজে মাতম। কাঞ্চন পুরের দেসে পাড়ল ছেতম * মাতম পড়িল জতো শহরবাজারে। উজিরান কহে তবে বাদশা নামদারে কান্দিলে কি হবে সাহা করেন ছবর। তালাসিয়া সাজাদায় দেখি (प्रमाख्त * এकथा शुनिय़ा माहा शक्ष कतिता। शाल मान

চুড়িতে তবে লোক পাটাইলো*হরেক সহরেতারে চুড়িয়া বেড়ায় কোন খানে গোল সানের দেখা নাহি পায় * দিলির সহরে ঢোড়ে নাগরের দেশে। কাসমির আজমির আরগোজরাতেতালাশে*সাম রুম আরব বোগদাদ বোখারায়। চিন ও মেছের সাম খুজিয়া না পায় * ইউনান এছাফহানতে বহুত খুজিয়া। পাহাড় জ্বল নদী দেখে তালাসিয়া * কোন খানে সাজাদার টেকানা নাপায়। কাঞ্জন পুরেতে ফিরে আইল সভায় * খবর কহিলো তবে বাদশার হুজুরে॥ খুজিনু বহুত দেসে মোরা সাজাদারে * নাপাইনু কোন খানে তালাস করিয়া॥ নাচার হইয়া দেসেআইনু ফেরিয়া* একথা তেমুছ সাহা শুনিলো জখোন॥ মাতম পড়িলো ফের দেসেতে তখন * অন্দর বাহিরে তবে কান্দিল সভায়। ছবর করিয়া সেসেশুপিলো খোদায় * সাএর মিছকিন কহে পুশুকের বাত॥ জে কথা ছাড়িয়া আইনু শনো সে হালাত * এবে সেই কুকুরের লিখী পরিচয়। জে রুপেতে সেই বিবী গোল সানেরে কয় *

* कूकूरतत विवतन *

* পয়ার *
বিবী কহে দ্বিরহয়ে বৈস মেহের
বান। কহিব সকল কথা করিয়া বয়ান * এতেক বলিয়া বিবী উটে
খাড়া হয়॥পালম্ব উপর লিয়া গোল সানে বশায় * খাবার ছামানা
জত তৈয়ার করিয়া॥ গোল সানের কাছে আনে খাঞ্চাতে পুরিয়া
গোলসান খুদায় অতি কাতর আছিল। খাবার ছামানা দেখে
খোসাল হইল * বেছমেলা বলিয়া মদ্দ খাইতে লাগিল। জেমন
আছিল ভুকা তেমনি খাইল * খাইয়া হইল মদ্দ খোসাল অন্তর॥
খোদার দরগায় ভেজে হাজার সোকর * ফারাগাত হৈয়া জবে
উঠিয়া বসীল॥ বিবীর নিকটে তবে পুছিতে লাগিল * কহো
দেখি বিবী জান কেমন খবর। শুনিয়া কারার হউক আমার অন্তর
কহিতে লাগিল বিবী শোন নামদার। কুকুরের কথা আমি করি
জে প্রচার * এই মূলুকের বাদশা ছিল এই জোন। জন্মলেতে গিয়াছিল সেকার কারন * জন্মলের মধ্যে এক তালাব বিচেতে। এসে-

ছিল পরি গন গোছল করিতে * পরিধান বসন সব আড়াতে রাখিয়া। গোছল করিতে ছিল নিচে ওতারিয়া * দেখিয়া হাছিন রুপ পরি সবাকার। ছাপাইয়া রাখে যদ বসন সবার * আড়াতে উঠিয়া তারা জত পরি গন। কাপড় না পাইয়া সবে কহিল তখন জে জন লিয়াছ কাপড় করিয়া জে চুরি॥ আসিয়া কাপড় সব দেহ ত্বরা করি * নহেত করিব সাঁপ জানিবে নিশ্চয়॥ এই রুপে বার বার পরি গন কয় * তবুত কাপড় মদ্দ নাহি দিয়া ছিল। অবসেসে পরি গন শাপিতে লাগিল * জে জন করিয়া চুরি লিয়াছ কাপড় वाला करत लारे जन रुक्क कुकूत क এर करण मां प जान দিল পরি গন। কুকুর ছুরত বাদশা হইল তখন * কুকুর ছুরত জদি বাদশার হইল। কাপড় শহিত পরির পায়েতে পড়িল *বহুত করিল জারি পড়িয়া পায়েতে॥মেহের নজরে পরি কহিল পশ্চাতে এক সাল পরে পুন আসিব জখন। আসল ছুরত তুমি পাইবে তখন * এত বলি পরি গন গেল জে উড়িয়া॥ কুকুর হইয়া বাদশা আইল ফিরিরা * কুকুরের রুপে জিদ সাহা দেশে আইলো। সহরের জতো লোক ডরে পলাইলো * চাকর নৌকর জতো গেলো পালাইয়া। সহর গিয়াছে তাই বিরান হইয়া * গোল সান শুনিল জদি এই সমাচার॥ আফছোছ করিল वड़ा (परल जाननात * जाननात राल विवी करिसा निवात গোল সানকে পোছে হাল হকিকত তার * কহ দেখি মেহের বান করিয়া জাহের। এখানেতে আসিয়াছ কিসের খাতের * আদ্মেরগোজরান হেথা নাহিকোন কালে। কিখাতরে এখানেতে क्यात आहेल *कहिल গোলশান তারে সোন বিবী জান ॥ আ-মার তুক্ষের কথা করি জে বয়ান * কাঞ্চন পুরেতে ঘর জানিবে আযার। গোল শান জামাল নাম বাদশার কুমার * বাগান বানাই এক বেহেন্ত শমান। খোসালিতে সেখানেতে করিত গোজরান ফর্ক্সখ নামেতে সাহা পরির ছরদার। নও বাহার নামে এক বেটি আছে তার * ছয়ের করিতে গেলো মেরা বাগানেতে। যোলাকাত হইল মেরা তাহার সঙ্গেতে * হইনু আসক আমি তাহার উপর म्हित इंडेल मथा किट मि थवत * याला शिल इंग पाट (था-माल (मल्लाज। निजा निजा चारम विवी चार्मा कार्छाज * এখন না আসে বিবী কিসের খাতেরে॥ তারে না দেখিয়া দেল ছ हे क हे करत् * श्रानन मना शान जला ছ जायात । ना मिथिएन তার মূখ পানে বাঁচা ভার * রহিতে না পারি ঘরে আইমু চলিয়া বহুত চুক্ষেতে হেথা পৌছিনু আসিয়া * কোন দিগে ঘর তার ना जानि थवत । विপाक পড়েছি চারা নাহি দেখি আর * কহিল সে বিবী তারে সোন নামদার। ভাল মোতে জানি আমি খবর তাহার * তোমার সঞ্চেতে তার পিরিতি হইল॥ বাপ মায় তার म्य कानित्व भातिल * भारेत्र मकल एक भतित ছत्राति। नख व হারে রাখিলক বন্দ খানা ঘরে * সাহা বাল নামে এক দেয়ের ছत्रमात । त्विधाताव ताथिता ए होता हा छे तत 🕸 व्यामर्थत का छ কেছ আসিতে না পারে॥ একারমে নেঘাবান রাখিল তাহা-রে * সে রাহা কটিন বটে কহি জে তোমায়। নারিবে জাইতে তুমি কহিন নিশ্চয় * দেখিলে সে দেও জাত তোমাকে ধরিয়া। একে বাবে জানে তুজে ডালিবে মারিয়া 🕸 পরির খেয়াল তুমি ছাড় একেবারে। হেথা হৈতে জাও ফিরে আপনার ঘরে * শুনিয়া গোল সান বলে সোন বিবী জান। ভুলিতে কি পারি তারে থাকি-তে পরান * তিলেক না দেখে জারে বাচেনা পরান। ভাহাকে তথাপি দেরেগ নাহি সোন বিবী জান *

※ 介可 ※

* রাগিনী বেহাগ তাল আড়া ঠেকা *
তারে ভুলিব কেমন। সে আমার নয়ানের তারা জিবের
জিবন * কিবা দিবা কিবা রাত্র, তারি কথা কেবল মাত্র,
যোনেতে জপনা করি সদা সর্ব ক্ষন * মিন জেমন জল
বিনে, তিলেকেতে মরে প্রানে, তেমনী তাহার বিনে

মোর জিয়ান্তে মরন * আমি কি ভূলিব তারে, মোন নাহি থয্য ধরে, মনি হারা ফনির মোত ফেরি সর্বক্ষন মানিক বলে প্রমের তিরে, বুকেতে লেগেছে জারে সেকি আর ভুলিতে পারে বিশের বেদন *

* প্যার * এতেক গাইয়া সাহা অজ্ঞান হইলো त्मरे विवी পानि शूरथ कल्पि (ছটोरेल * पिल पिल पितिवीक्पि रहे-शाटक छान। बालकित शद्य यक ताथियाटक जान क तम विदी कहिल তবে পোলসানের তরে। দুই তিন রোজ তুমি থাক মেরা ঘরে * তুই তিন রোজ হেথা আরাম করিয়া। পরিস্থান দেশে তুমি कार्टेद हिला । । किना विवीत कथा तिहल (मथाम । पूरे किना রোজ এয়ছা গোজারিয়া জায় * চৌথা রোজেতে মদ বান্দিয়া কোমর॥ রখছত হইতে গেল বিবীর ছজুর * কহে সোন বিবী জান আরজ আমার॥ বিদায় হইয়ে জাই হুজুরে তোমার * খুদি খোসালিতে যুজে দেহনা বিদায়॥ পরিস্থান দেদে জেনো পৌছায় খোদায় * শুনিয়া সে বিবী তারে খোসাল অন্তরে ॥ এক খানা খড়গ এক জাল দিল তারে * কহিল এখড়র্গ জালে হবে তেরা काय। मावधादन तारथा এर जान दनक नाम * जथन वामिरव দেও উপরে তোমার। ডালিবে এ জাল সেই দেয়ের উপার * करम रहेरव (पे अ अिंग जालिए ॥ जूलिम। এ थएंग जात्न মারিবে পশ্চাতে * জালেতে পড়িলে দেও না পাবে খালাছ। কহির ভেদের কথা করিয়া প্রকাশ * খাড়া জাল দিয়ে তারে খোসাল অন্তরে॥ বিদায় করিয়া দিল পরির সহরে * অধিন মানিক কহে ভাবিয়া খোদায়। পয়ার ছাড়িয়াএবে ত্রিপদীতে গায়

* গোল সান জা गाल পরিস্থানে পৌছিবার বয়ান =

* ত্রিপদী *

দেসে জাইতে; সাহা জাদা হইল বিদায়। খোদায় ভাবিয়া দেলে জায় মদ্দ রাহে চলে, এই রুপে, সাত রোজ জায় * সাহা বাল দেও জেথা, চৌরাহা উপরে সেথা, সাহা জাদা পৌছিল জাইয়া

সাহা বাল জেখা ছিল, গোলসান সেখানে গেলো, দেখে মদ্দ নজর করিয়া * ঘোমেতে বেহোস হইয়ে, সাহা বাল দেও শুয়ে, বিছানা উপরে রহিয়াছে। পরি হেন এক বিবি উত্তম ছুরত ছবি, সাহাবালের ছেরানাতে আছে * গোলসান সেখানে গেল বিবিজে দেখিতে পাইল, মানা করে হাত এশারায় ॥ কোথা হৈতে হেথা এলে, বিপাকে পড়িয়া গেলে, আদম জাত না আশে হেথায় * দেয়ের মোকাম এই, আদমের গোজরান নাই, কেন আইলে মওত লাগিয়া। দেও জাত জদি দেখে, ধরিয়া খাইবে তোকে, শীঘ্রহ জাহ জান বাচাইয়া * বিবি জত মানা করে, গোলশান না সোনে তারে, গেল দেয়ের ছামনে কুদিয়া। হাত উঠাইয়া জোরে, তামাচা মারিল তারে, ওঠে দেও চেতন পাইরা * ত্রিপদি ছাড়িয়া এবে, পয়ার ছন্দেতে তবে, কহে মানিক ভাবিয়া খোদায়। জাহারে মেহের বান, আপনি সে ছোক-হান দেও কিবা করিবে তাহায় *

* माहावाल (पर्यत निष्य शाल भान जायालत * * लड़ाहै हम ७ भाहादाल याता পड़िवात वमान *

* পয়ার *

কুদিয়ে উঠিল দেও হইয়ে চেতন ! নজর করিয়ে দেখে আদিছে
আদম। ছামনেতে আছে খাড়া হইয়ে বেগম * দেখিয়ে আদমে
খাড়া গোস্বায় জলিল॥ বায় হেন গোলশানের উপরে ছুটিল
গোলসান জামাল তবে খোদায় ভাবিয়া। দেয়ের উপরে জাল
দিলেক ডালিয়া * জালের বিচেতে দেও কয়েদ হইল। তজ্জন
গক্জন বড়া করিতে লাগিল। ছিড়িতে না পারে জাল করে বড়
জোর। জড়া জড়ি কোরে পড়ে জালের ভিতর * গালা গালি দিয়ে
দেও গোলশানেরে কয়। মরিবার তরে ছুই আসিলি হেথায় *
এখনি মারিব তোরে ওরে আদম জাত। জনমের তরে তোরে
করিব নিপাত * শুনিয়া গোলশান অতি গোস্বা দেল হইয়া।
দেয়ের উপরে মারে খড়র্গ উঠাই * এয়ছা জোরে গোল সান তারে

थएंश यातिल। दूरे काक टिशा (पंछ क्रिशित शितिल * क्रथन গিরিল দেও হইয়া দারাজ। পাহাড় গিরিল জেন হইল আওাজ শুদিতে পাইল জত ছিল দেও গন॥ ধাওা ধাই সকলেতে আইল তथन * शारेशा बाहेल जाता त्शाल मात्नित काटक । जिथिल बानग জাত খাড়া হইয়া আছে * সাহা বাল দেও কাটা দেখিয়া নয়ানে গर्জिश পড়िल দেও গোল সানের পানে * গোল সান তুলিয়া काल जात्न (पञ भरत । (वक्रामा विलय्ना थफ्न किंठा हेया गारत ॥ তুই ফাক হইয়া দেও জমিনে পড়িয়া। পড় ফড় কোরে জান জায় कायाल भव यातिया जालिल * ছियाकाय नात्य (मेख काहेल भरते ज গোল সান জামাল তারে ধরিল জালেতে * খড়র্গ উঠাইয়া তারে মারিতে চাহিল । জোড় হাত কোরে দেও কহিতে লাগিল * না মারো না মারো মোরে সোন মেছের বান ॥ মেছের করিয়ে বাঁচাও আমার পরান * হইব গোলাম তেরা জত কাল জিব। ছকুম বর-দার তেরা হামেসা রহিব *ছোলেমান নবির আমি ছওগন্দ করিত্র আজ হইতে তেরা আমি গোলাম হইনু * জখন ছকুম জাহ' कतिरव यायाय ॥ यानिव एक एमल कारन क्रानिरव निक्य * এই মত ছেয়াফাম জখন কহিল। গোলসানের দেলে তবে রহম্ इंडेल * जाल इंडेरं जात्त जित्व लिला (नेक लिया । रथम्यर्ज রাখিল অতি মেহের করিয়া * শাহাবাল দেও আর জত দেও গণ গোল সানের হাতে মারা পড়িল জখন * দেখিয়ে সে বিবি অতি খোসাল হইল ॥ গোলসানেরে সেই বিবী কহিতে লাগিল * মর্জমি করিলে বড়া শোন মেহের বান। তুশমুনের হাতে মেরা বাচাইলে জান * হইনু তোমার দাসি জিব জত কাল। খেদমতে রাখহ भारत रहेर अधिमाल *

* श्रा *

* রাগিনী বিহাগ তাল আড়া ঠেকা *

*গোল শান *

* এ

कित वाहात्ले शतान अपानीक दित्राथ (यादि सान (यद्दे বান * তোমার জে দাসি হবো, খেদমতে হাজির রবো, প্রান পনে যোন জোগাব না করিব আন * আমার এ নব জৌবন, কলেম তোমায় স্মার্পন, হৃদ্এতে वमारेश पिव किवन पान * बिधित किवान मृथ, পাশরির জত তুথ, দিগুন বাড়িল শুখ ঠাগু। হলো প্রান * * विशिष *

্গোলসান জায়াল কয়, কহো দেখি পরিচয়, কেবা তুমি কাহার রিশিনি। কেমনে দেয়ের সাতে, ছিলে তুমি এখানেতে, শত कारत वरला एमिथ र्खान अर्खानरा रम विवि वरल ; আतुक कम्म তলে, বটে আমি বাদসার নন্দিনি। দেল সাদ আমার নাম, ফালানা সহরে ধাম, দেও হেখা রেখে ছিল আনি * ধরিয়া সে দেও জোরে, এখানে রাখিল, যোরে, কি করিব চারা কিছু লৈই। যাতা পিতা কেমনেতে, আছে তারা কি হালেতে, তাহা কিছু আমি জানি নাই * পড়িয়া দেয়ের হাতে, ছিণু আমি এখানেতে, বহুতি জে পেরেসান অন্তরে। আপনার কর-মেতে; দেয়ের কয়েদ হইতে, খোদাতালা বাচাইল মোরে * এথন মেহের কোরে, রাখনা খেদমতে মোরে, দাসি হৈয়া আমি সাতে জাব। জে হুকুম করিবে জখন, সোনা যাত্র আমি তখন, দেল জানে তামিল করিব * লোন কহি নামদার, কহ দেখি শ-মাচার, কি কারনে আসিয়াছ হেথা। আপনি মেহের করে, বয়ান করিয়ে মোরে; কহ জত মোনে আছে বেথা *দেয়ের মূলুক এই আদ্য এখানে নাই, কেমনেতে আইলে হেথায়। এরাহা কর্তীন অতি, না আইসে আদম জাতি, দেও পরি হেথা সদা त्य * शालमान कागाल वल, कठ कथा ठात पिल, व्यान क-রিয়ে সে বিবিরে। নও বাহার বিরির সাতে, মোলাকাত জে রপেতে, একে ২ কহিল তাহারে * দেল সাদ কহিল তারে, সে নও বাহার তরে; রাখিয়াছে কয়েদ করিয়া। অ । व कः ज

হেথা, মোনে বুঝে সেই কথা, রেখে ছিল চৌকি বসাইয়া *
সাহাবাল দেও ছিল, তোমার হাতেতে মৈল, মারা গেল দুশমন
তোমার। এখন খোসাল মোনে, জাবে চলে পরিস্থানে; আরজ
এক শোন নামদার * করম নজর করো; আমার আরজ ধরো,
চলো জাই সহরে আমার॥ মা বাপের কাছে গিয়া, ভাহাদের রেজা
লিয়া, জাবো আমি সজেতে ভোমার * দেল সাদ সাহাজাদি,
এতেক কহিল জদি, হৈল রাজি গোলসান জামাল। দেলশাদ
গোলসান আর, হলো দোহে বরাবর, উভয়েতে দেলেতে; খোসাল
খোদার মেহের জারে; জেথা জায় খুসি তারে, খুসি হালে সর্ব
ছানে রয়। ছাড়িয়া ত্রিপদি ছল, পয়ারে করিব বল, অধিন
মানিক রস গায় *

* গোল সান জামাল দেলশাদ বিবির সঙ্গে *
* জার ও তাহাকে শাদী করিবার বয়ান *

শংলার *

ত্যোল সান জামাল জিদি খুসি খোসালিতে। দেল সাদে লিয়া জায় আপনার সাতে % ছেয়াফামে
লইলেক সঙ্গে আপনার। জাইয়া পৌছিল জেথা দেল সাদের ঘর
পৌছিল জাইয়া বিবি বাপ বরাবর। দেলসাদ আইল দেসে হইল
খবর * ছালাম করিয়া বিবি বাপের পায়েতে। সকল তৃক্লের কথা
লাগিল কহিতে % ভাই বেরাদার জত জেখানে জে ছিল। দেলমাদ বিবিকে স্বেদেখিতেআইল *দেলসাদ বিবিকে স্বে লাগায়
গলেতে। খুসির কান্দনা স্বে লাগিল কান্দিতে * দেলসাদের
মাভা বিবি খুসি হৈয়া মোন। বেটার মূখেতে কত করেত চুয়ন *
প্রেয়ার করিয়ে তারে কোলে বসাইয়া। পুছিতে লাগিল বিবি
আাবদিনা হৈয়া * কহিতে লাগিল বিবি মায়ের ছজুরে। জে
রূপেতে দেও তারে লিয়া ছিল ধোরে * জে রুপেতে রাখে দেও
ক্রেদে করিয়া। জে রুপে গোলসান জামাল স্বেখানে জাইয়া *
মারিয়া ভালিল দেও জালেতে ধরিয়া। কহিল স্কল কথা বয়ান
করিয়া * একে২ স্ব কথা কহিয়াগুনায়। গোলশানের কথা কহি-

लिक वान गाय * जागात मह्म ज जह जाहेल ज्लान। (प्रतिक মারিল সেই সোন আক্ষাজান *মেহের করিয়ে এই বাচায় আ মারে নহেকি ছাড়িত যোরে দেও তুরাচারে * করুল করির আমি এই মেহের বানে। দাসি হইয়া রব আমি এহার ছামনে * সাদি বেহা দেহো যেরা সঙ্গেতে এহার। তোমার জনাবে এই আরজ আমার শুনিয়ে বেটীর মূখেতামাম খবর। বেগম কহিল গিয়া বাদসা বরা-वत * श्वित्र। तम वानमा অতি খোসাল হইল। সাদির আছবাব भव देखशांत कतिल * मारा ना मखत रश मामित (क्रमन। मकल আছবাব করে তৈয়ার তেমন * তবে এক দিন নেক ছায়েত প্রবিয়া। বসিলেক সাহা আসি মজলেছ করিয়া * নাচ রঙ্গ গিত বাজা হইতে লাগিল। সহর বাজারে কন্ত জলুস হইল * আমির উমরাও সব আসিয়া বসিল। শাদি পড়াইতে সাহা হুকুম করিল বাদসা জাদির সাদি কেবা পড়াইবে। পছন্দ করহসবে যোলা কে হুইবে *উজির কহিল তবে সোন জাহাগির। নছিম উদ্দিন সহর মোলা আছেত হাজির * হুকুম করিলে তবে মোলা জি আসিয়া वानमा जानित मानि नित्व পড़ाইয়। * ছকুম করিল বাদসা মোলা জির তরে। যোলাজি বসিল গিয়া মহফেল ভিতরে * তবে নেক ছায়েত বুঝে মোল্লাজি তখন। সাদি পড়াইয়া দিল খুসি হইয়া या ै * दिन मादित मापि कपि पेषाईन याला। यकत्नक मध्यक मत्व करह जाला २ * मारा जापित मापि जपि शाला পড़ारेल ॥ খেলাত বখশেষ কত যোলাজি পাইল * ধোন মাল পাইয়ে योब्बा त्निहाल हहेशा ॥ थुमि तथामालिए रिशला घरत्र हिलशा * शशंत * जिल माजित माजि देश्ल शाल माजित म

* পয়ার * দেল সাদের সাদি হৈল গোল সানের সাতে।
সহর সমেত খুসিহৈল সকলেতে * রিঙ্গন করিয়া আমি সাদির
বয়ান॥ নাহি জে লেখিণু তার সোনহে সন্ধান। বাড়াইলে কেছা
তবেপুথিবেড়েজায়।একারনেমোজেছেরকরিয়হেতায়
শঞ্জকারনে
আমি তবেমোজেছার কিয়া। সাহা জাদির সাদির কথা গেয় জে
লেখিয়া * খুসি খোসালিতে সাদি হইল দোহার। গোল শান

জামালে লিলো মহল ভিতর* সাত রোজ রহে মর্দ্দ মহল ভিতরে দেল সাদে লইয়া অতি খোদাল খাতেরে * কিন্তু অন্য কাজে নাহি গোল সানের খোন॥ আলাদা বিছানে শুয়ে রহে তুই জন দেল সাদ বিবি কহে শোন নামদার॥ কেননা মতলব তুমি প্ররাও व्यायात 🗱 शालमान कायाल वल मान विविकान। ছও গन्म করেছি আমি দেলেতে নিদান 🕸 জত দিন নাহি পাই নও বাহা বিবিরে। ছুনিয়ার লজ্জত হারাম আমারে * এতেক শুনিয়া বিবি খামোস হইল। গোলসান জামাল ফের কহিতে लाशिल * ने वाहाद्वत लाशि यान छे हा हैन। विना इं कत्र व यूर्व জাব পরিস্থান * খোদা জদি ভাল করে আসিব হেথায়॥ খোসা-লিতে বিবি মুঝে দেহনা বিদায় * একথা শুনিয়া বিবি ঘরেতে कारेया। এक काश्विन এक हेिन फिल्क वानिया * किंवन এ টুপি এয়ছা কেরামত ধরে ॥ ছেরেতে রাখিলে কেছ দেখিতে না পারে জাম্বিলের গুন এয়ছা কি কবো তোমায়। খাবার ছামানা জত তাতে পাণ্ডা জায় 🛠 জখন জে ইচ্ছা হয় আপনার দেলে॥ काश्विल जालिल राज ज्यनि जा त्यल 🕸 काश्विल जात हेिंग বিবি দিয়া জে তাহায় ॥ খোসালিতে শাহাজাদি করিল বিদায় विषाय इडेल मर्फ (थामाल (फल्लाउ)। (ছ्याकारम রেখে গেল বিবির খেদমতে * বাদসার হুজুরে ফের হইয়া বিদায়।। মোলা-জির সাতে দেখা করিবারে চায় * যোলাজি কারনে এক চোব দার ভেজিল। চোবদার জাইয়া তারে ডাকিতে লাগিল * মো-लाकि वाहित बामि शास। इहेल भारत ॥ कहिए लाशिला वाज कांवनादतत सादन *

> * মোলাজির উক্তি * * হিন্দি ও বাজ্লা মিস্রিত গান *

মোল্লাজি খোলাজি কহকে আযায় কে ডাকিল * সহর মে বদনাম কিয়া লোকের কাছে লজ্জা দিল * ছোড়া হায় হাম যোলাকি কাম, কেগু মেরা কিয়া বদনাম,

ও বাতে শর্ম মেরা কেন মোলা মোলা বলো * * शालमान काशाल एकल मार्कत ख द्या लाकित निक छ * * হইতে বিদায় হইয়া পরিস্থানে জাইবার বয়ান * * शशंत * (शांन मात्नत काट्य कि भि भांना कि আইল। সাহা জাদা তার কাছে বিদায় হইল * দেলেতে ভরসা করে পাক পরতার ॥ পরির সহরে জায় বান্দিয়া কোমর 🗱 সাত রোজ রাত্র দিন জায়নেকলিয়া। পরির সহরে মর্দ্দ পৌছিল জাইয়া महत कामाना वडा किथिट एक्सत। काछी वानाथामा घत আছে বহুতর * লাল হিরা জণ্ডাহের পাথর হইতে॥ বানাইয়াছে ঘর সব জত পরি জাতে * জমর্দ পাথরে থনি আছে থরে থরে চাহিরা দেখিলে চক্ষু নাহি আইসে ফিরে * স্থানেং কত বাগ ক-রিছে তৈয়ার। নানা রঞ্জ ফল তাতে দেখিতে বাহার * টুপি ছেরে দিয়ে মর্ল দেখিয়া বেভায়। কেহু নাহি দেখে তারে সে (क्ट्थं मवाয় क्र क्रिया गहत क्रिल थूमि অভिमয়। महदतत विक्र यर्क युगिया दिष्य * ने वारात विविद्ध जालार्य घरत घरत। গোপন হইয়া মৰ্জ তালাসিয়া ফেরে * কোন খানে নাহি পায় বিবির সন্ধান। ভাবিতে লাগিল মর্দ্দ হইয়া হয়রান * সহর বিচে-তে আমি জত ঘরে ঘরে। তালাস করিনু কোখা নাপাইনু তারে* ना जानि त्म ने व वाहादत द्वरशह कोशाय । कि क्रित्व काशा काव ना प्रिचि छिभाग * काशा तहेल श्रान श्रिय कृलिय जामात ভোমার লাগিয়ে প্রান ছট ফট করে * এত তুক্তু কোরে আমি এ খানে আইমু। জার লাগি আসি ভার দেখানা পাইনু। ভবেএ পাপীষ্ট জানে আমার কি ফল। তেজিব এজান আমি খাইয়ে গ্রল * কত বা সহিব আর বিচ্ছেদ বেদনা। সহেনা সহেনা

* গান * বিং বাগিনী বেহাগ তাল আড়া *
কত বা শহিব আর বিচ্ছেদ বেদন * তাহারি;আনলে

षात (गारनत मारना *

মোর দহিছে জিবন ৯ কিবা রাত্র কিবা দিনে, জোল্ভেছি বিচ্ছেদ আনলে, নিভালে নানেভে জলে, জোলেওঠেরে দিশুন*জার লাগি গ্রহ তেগি; আসিয়াছি হই বৈরাগি তার অমিলনে প্রান বাচিবে কেমন * মানিক বলে গোল সান সোন, এত বেন্ত হলে কেন, করো স্বরন নিরাঞ্জন, পাবে তার দরশন *

* जिनि * घद्ध र जाना निरम् , न छ दाशद्त ना পাইয়ে; হইল মর্দ্দ বড়া পেরেসান। জার লাগি এত তুখ, না দেখি তাহার মুখ, কেমনেতে বাচিবে পরান * দেলেতে পাইয়া দল, বিসাদ ভাবিয়েমর্ল, সহরেতে চুড়িয়া বেড়ায়। নাহিপায় কোনখানে, जालामिश श्राप्तर, महत्तत वाहित्त्व जास्र स्मिश এकवाश हिल ; তাহার বিচেতে গেল, দেখে মর্জ করিয়। নজর। বড়া এক তালাব वाटक, घां छे जां वानियाटक; लान माना नियाटक भाशत * भाषा দার গাছ জত, আছে স্থানে স্থানে কত; কতো মেণ্ডা ধরিছে ~ তাহায়। ভূকেতে কাজর ছিল. তুড়িয়া সে মেণ্ডা খাইল; তালা-বেতে পানি ফের খায় * টুপি দিয়ে ছের পরে, রহে বসে ঘাট পরে, কেন্ত্র তারে দেখিতে না পায়॥ সে বাগের এক ধারে, রাখিছে দে নও বাহারে; আহার নিজা নাছি তায় * নাছি খায় খানা পানি, কান্দে বিবি রাত্র দিনি, মলিন হইল মুখসসি। हल जूना त्रा हिन, जाता छ ख्यारेया तान, मूर्थ व्यात नाहि शामि श्रीम * वाशादात मिथ भन, मद इहेरा এক মোন, কহে গিয়ে বাদসা জাদিরে। সোনং বিবি জান, করি এক নিবেদ্শ , মোরা সবে তোমার হুজুরে ¾ আমরা সকলে, शिल, शिन्डि कतिरत विल ; খাও তুমি किছু খানা পানि॥ अकर রনে তুমি কেনে, দিতে আছ দুক্ষু জানে, মিছা কেন হও পেরে সানি * তুমিত জাহার লাগি, হইয়াছ প্রান তেগি, সে এখানে আসিব কেমনে। সেহতো আদম জাত, এখানেতে কি ছুরাত गामिदक (पम পরি স্থানে * সখি গন কহে জাহা, বিবি নাহি

সোনে তাহা, কান্দে বিবি হয়ে জারং। কহে প্রান জায় ভাল, বার ২ কেন বল, প্রান রইতে করব না আহার *

米 গান 米

* রাগিনি বেহাগ তাল আড়া ঠেকা *
আমার জিবন অসার * এ জিবনে মরন ভাল বেঁচে কি
শুসার*বাঁচিয়া আর নাহি শুখ, বড় উপজিল হুখ, দিবা
নিসী এ জন্ত্রনা সহেনা আমার * জার লাগি কান্দে
প্রান, জদি না হয় তার মিলন, জিবন জৌবন তবে
থেকে কি আবার *

* পয়ার * সখি গন নও বাহারে কত বুঝাইল। এয়ার সোগেতে বিবি কান্দিতে লাগিল * কোন মতে নাহি সনে (मिट्य मिथ ११। विवीत निकरि २३८७ ठिलल उथन ३४ এই कृत्य তিন চারি রোজ চলে গেল। এক রোজ সখি সবে তালাবেতে णाडेल * कलिंग लहेशा जल णानि वादत जांश ॥ जांनादित ঘাট পরে গিয়া খাড়া হয় * ঘাট পরে কহা বলা করে সখিগন। দেখ দিদি সাহা জাদির খেয়াল কেমন * আসক হইল বিবি আ-দমের পরে। তার লাগি খানা পানি সব তেগ করে * হরিজা জনিয়া রুপ বিবির্বাছিল। সোগেতে শুখাইয়েগিয়ে মলিনহইল আসিবে কেমনে আদম পরির সহরে॥ আদমের জোগ্যতা কিবা আইসে হেথা কারে * মিছে সে খেয়ালে খারাব করিতেছে জান नारि जानि नও वारात वृक्षिल (क्यन * क्ला पिषि আज शिस বুঝাই তাহারে। খাণ্ডাইতে পারি কিনা নও বাহার বিবিরে * স্বাখি গন সেখানেতে জতেক কহিল। গুপনে থাকিয়া জামাল मुकलि खिनिल * पिलिट इंडेल राष्ट्रा थामाल उथन । थाना जाला दिल शादि मकान धर्यान * मिथ गण (मथा रहेरा कथन हिल्ल । <ि शालमान काशाल **जात मद्य मद्य दिशल * न** अवाहात (किट घटत करश्रम चाছिल ॥ मिथ्शन (मेरे घटत कारेशा (भोছिल * কপাট খুলিয়া জায় ঘরের বিচেতে॥ গোল সান জামাল তার গেল সাতে ২ % দেখি নওবাহার তরে খোসাল হইল। তাজ ছেরে দিয়ে মর্দ্দ গোপনে রহিল % সখীগন কহে গিয়ে নওবাহার তরে। আরক্ষ এক করি মোরা তোমার হুজুরে % নাহক খারাব তুমি কেনে করো জান॥ গোছল করিয়ে কিছু খাও বিবি জান % আদম বেওফা জাত তাহার কারন। করিছ খারাব তুমি আপনার মোন % এখানে আদম জাত আসিবে কেমনে। কেমোন,খেয়াল তেবা কেয়ছা বোঝা মোনে % শখি গন জত কহে নও বাহার বিবিরে। কিছু নাহি সোনে কেবল হায় হায় করে॥ প্রানের অধিক ভাল বাসি আমি জায়। তারেকি ভুলিতে পারি তোদের কথায় %

ETBIDOR | HER W MIN * MIN *

ভগো সখি গন,করিয়ে কেমন,ভূলিবারে তারে বলোগো আমায় * শেজে আমার প্রান,জিবনের জিবন; প্রানের অধিক জানিত তাহায় *সদা জার তরে, তু নয়ান ঝোরে, না দেখিলে তারে, প্রানে বাচা দায় * জায় জাবে প্রান, হবো পারিত্রান, এ বিপদে রক্ষ্যে হইবে আমায় *

* নও বাহারের সহিত গোলসান *

* জামালের পুন মিলন হইবার বয়ান *

* পয়ার *

বোঝালে না বোঝে জদি দেখে
শথি গন॥ কপাট করিয়ে বন্দ চলিল তখন *গোলসান জারলি
রহে ঘরের বিচেতে। গায়ের থাকিয়া মর্ল লাগিল কহিতে *
দোন বিবি কহি আমি তোমাকে খবর। জার লাগিকান্দ তুমি সে
নহে তোমার*তোমাকে ছাড়িয়াসেহআছে খুসিমন॥ তুমি কেনো
কান্দ বিবি ভাহার কারন * গাএব থাকিয়া জদি গোলসন কহিল
নও বাহার বিবি গুলে চোম্কিয়া উঠিল * ঘরের চৌদিগে বিশ্লি
দেখিতে লাগিল। কোন খানে কিছু নাহি দেখিতে পাইল * দহ্দ
সত পাইয়া বিবি লাগিল কহিতে। কোথা হৈতে কেবা কথা কহ
মোর সাতে * গায়েবি শুনিয়া কথা মোনে লাগে ভয়। ছামনে

* গোল সালে *

वामिए भारत पार्व परिवास किलान किला विवि विन वि তোমারে। কিবা পরিচয় দিব তোমার ছত্ত্বে * তোমার বন্ধুর সাতে সাক্ষ্যাত আযার। এ কারনে আসিয়াছি কহিতে খবর * জাহার লাগিয়ে তুমি আছ পেরেসান। তোমার উপরে বিবি তার নাহি জান * তোমাকে ছাড়িয়ে সেই খোসাল খাতেরে। कति शाष्ट्र मापि এक वापमा जापित * এই कथा शालमान जयन कहिल ॥ जात श्रेट्रेस विवि कान्मिटा लागिल * हितात जालू ति ছিল বিবির হাতেতে। অঙ্গুরি খুলিল বিবি মুখেতে ডালিতে অসুরি ডালিতে মূখে এরাদা করিল। গোলসান জামাল হাত ত-र्थाने धतिल * धतिल शालमान हां गार्य थाकिया। ने विवाहां त বিবি তবে ওঠে চমকিয়া * কে তুমি ধরিলে হাত আসিয়ে আ-যার। ছাড়ি দেহ হাত মেরা পাইয়াছি ডর * নও বাহার বিবিজ-খন একথা কহিল। টুপি ওতারিয়া মর্দ্দ ছামনে আইল *গোল-मान काशाल कि काश्रात काषाय। ने वाश्रात विश्व किनित्नक তায় * দেলেতে হইল বিবি বছতি খোসাল ॥ মাতার সিন্দুক । जित्ना शाहेल काळाल * यतात थएए जिन लोहिएलक जान। व्यात्मला जत्न एक जा मा क्रम पान * पूरे जत्न रहेल शूनि বুছত দেলেতে ॥ খুসির কান্দনা দোহে লাগিল কান্দিতে *

* গাল *

* রাগিনী বেহাগ তাল আড়া ঠেকা *
তথ আর বলব কি তোমায় * কহিতে না পারি ত্বখ
প্রান ফেটে জায় * তোমা ছাড়া জত দিন, বিরহ
আনলে ক্ষিন, জলে প্রান দিন ২, সহা নাহি জায় *
কারাগরে বন্ধ থাকি, তুখ বিনে শুখ না দেখি, সদা
বোরে তুটি আখি, না হেরে তোমায় *প্রানকি আমার
ধড়ে রইত, এত দিন বাহির হৈত, তবে জে আছেহে
প্রান তোমারি আসায় * বিধাতা সদায় ছিল, যুগল
মিলন হইল, জত তুখ তুরে গেল, হেরিয়ে তোমায় *

নও বাহার বলে প্রান; কি ক * जिनिष * পেতে পরিস্থান, আইলে তুমি কহে। সমাচার। দেখিয়ে তোমার মুখ, তুরে গেল জত তুথ, শুখের আর নাহি পারা পার * গোল-সান জাযাল তাহে, বয়ান করিয়ে কহে,শোন বিবি ছক্ষের খবর कहिए ज मद कथा, त्यात्न वर्ज लाश दिथा, कठ द्रथ घिल আমার * একে ২ প্রকাসিয়া, কহিল বয়ান কিয়া, জত কিছু चटि ছिल जात् । क्ल ऋण भागल रहेल, घत रेहरू त्नकलिल, **क्रिलट्ड (शोहिल शाहार्ड् क्र वागान विराह्ड शाह्म, क्रि** कृत्य स्थान दिय , ज्या व्हेट जाहेल (क्यम ॥ प्रिय़ा दिनाद्त -গেল, জে রূপে পড়িয়া রইল, একে একে কহিল তখন हक्कु जान शाथि (जदत, कदत ছिल (क श्रकात, शात इहेल प्रतिया **(क्यन । कृक्त क्क क्रिंग जात्त, लिया शिल निक च्रत, विवित कार्छ** त्रांथिल ज्थम * काल थएशं (क श्रकारत, पिया हिल विवि जारत **জে রুপেতে সেথা হইতে জায়। সাহবাল দে**য়ের সাতে, জুদ্ধ হয় জেই মতে,একে একে সকলি শুনায় * সাহাবাল মরে জেয়ছা. বয়ান করিলতেয়ছা,আর জতোমরেদেওজাত। ছেয়াফামধরাগেল. (क क़रण शालाय रहेल,करह यम जव रुकिका * एमल जाम विवित्र সাতে, হয় সাদি জেই মতে, জাম্বিল তাজ দিল জে প্রকার॥জত किছ গোজারিল, একে একে গুনাইল, শুনে বিবি খোসাল হাজার

স্ত তথ্য মিলন হইল, জত তুখ তুরে গেল,রশ বাক্য লাগিল কহিতে। নও ৰাহার বলে নাথ, সোনহ আমার বাত, প্রান আমার বাচেনা খুলাতে * ভোমা ছাড়া জত কাল, নাহি খাই অন্য জল, ভুকে প্রান বাচেনা এখন। সোন প্রান কহি তোরে; কিছু খাইতে দেহ যোরে, তবে ঠাণ্ডা হয়ত জিবন * গোল সান জা' यात्न कि , कि लि माराका नि , खान राज निन का शिल्ला । काश्विला इंग्ड दिया, नाना खेलहात लाय, जिल छाटा विविद्ध খाইতে * খाইবারে পায় জদি, খুসি হালে সাহা জাদি, খাই लिक बाहुना श्रेया। त्थामालिए हुई करन, विमलिक এकामरन

ख्य गांशत उठि उथलिया * करत हुत्र वालिकन, प्लाट्ट त्थामा लिত মোন; তুরে গেল বিচ্ছেদ বেদনা। তুই জনে শুখে থাকে नाहि (कङ् चना लाकि) (पत्न कान नाहिक ভावना * * 717 *

উথলিল শুখ, ছুরে গেল ছুখ, উভয়েতে হলে। जूगल शिलन * जारा शति २, धति कुठ शिति, शान শুখে করে চুম্ব আলিজন *। তাপিত আছিল, मी जल इहेल, अश्र वाति कि दिल वित्रमन *

* जिनि * जिन द्रांक मिर्ग शत्न, विमान छ।विश्रा कतन, म उवाहात विविकारक काय। कथा है थूलिया करव, घरतरक চলিল म:व माराकाना यालूग कि भाग * मिश शन करवे वाहिल, গোলসন দেখিতে পাইল, অম্নি তাজ দিল ছের পরেম বিজলি চমক জেন, দেখিল সে সখিগন, পুন আর না দেখে তাহারে * বিজলি জেমন রূপে, চমকিয়া গায়েব আপে, সাহাজাদা ইইল তেমন। নূরের রওসনি ছিল, গায়েব হইয়া গেল, দেখে হক इश मिथ गन * न उ वाहात दिहाल ছिल, दिशानाल दिलियां शाहेल, मिथ शन इहेल (थामाल। करह विवि कहि याता, जा রজ এক পায় তেরা, খাও কিছু করিয়ে গোছল 🛠 নও বাহার বিবি শুনে, কহিল জে সখি গনে, খাব কিছু গোছল করিয়া। পরি গন এহা শুনে, তৎক্ষনে জল এনে, দেয় গোছল খো-माल ट्डेय़ा * व्यविन गानिक क्य, मार्फ कि शामाल ट्य ; विना वक्त त जिलन ना ट्रल । छाछिशा जिला छ क , लशादत कतिशा वक्त কহি এবে সোনহ সকলে *

* नख वादारतं यार्यतं मर्व रंगाल मान *

* कांबालित माक्गां इसं धवः ने वांशत *

* বিবি আপন মায়ের কাছে গোল সান *

* জামালের হাল বয়ান করে তাহার বয়ান *

স্থি গন শুনে সবে হইল খোসাল। জল * প্রার *

वादन ना बाहादत (प्रलाय शाहल * याका माजाहेया थाना जानिया তখনে। রাখিলেক সখি গন বিবির ছামনে * নও বাহার কহে ভোরা জাহ নিজ স্থানে। পশ্চাতে খাইব আমি সোন সখি গনে এতেক শুনিয়া জায় জত সখি গন। তুয়ারে কপাট তারা লাগায় ज्यन * ज्यन दिश्ल जागाल गिथ शन दशल। दशाशन रहेट जिंद श्राण रहेल * पूरे जिंद शक जार तरह रथाजा-লিতে। খাইতে লাগিল খানা মিলিয়া দোহেতে * খাইয়া **(क शाना शानि (शामाल इ**रेशा ॥ छहेशा तहिल (मार्ट जाशरम शिलिया * मिथ शन शिल कित विविद्य पिथि । के शां थे शिल्या গেল ঘরের বিচেতে * জখন খুলিল দার জত শখি গন॥ গোল मान कांचाला शार्य इडेल उथन * रिकलि हमक द्वन शाहेल पि शिटा। शनक कितारेया जात ना प्रतथ हत्कारक * न व वार्ति विविद्ध एक एक थिन का है सा। भानक छे भरत व्याह्य यूमिए व-সিয়া * সখি গন গিয়া কহে বিবির ছজুরে। সত্য করে কহ বিবি व्याभा मवाकादत * विकलि हमतक अस्छ। शाहेनू प्रिचिट ॥ शादाव **ट्रेल পूरू अलक गातिए * कियन त्रमिन मिर्ट किय्छा मगा** हात ॥ वद्रान कतिया करहा छाएड आलात * विवि वर्ण आणि किছ पिथिट नागारे॥ जाल यन तथाना जात्न जानि नारे! ভেদের খবর বিবি কারে না কহিল।। সখি গন সেথা হইতে নিজ স্থানে গেল * শ্থি গন কহে তার মায়ের হজুরে। দেখিয়াছি যোরা আজ নও বাহার বিবিরে * হৈয়া ছিল নওবাহার দেওা नात राल। हूत्र बनल रहेर्य बाहिल वनराल * नार्वक हूत्र व বিবির হয়েছে এখন। পালঙ্গেতে আছে বসি খোসালিত যোন * কিন্তু এক আশ্চায্য দেখির চক্ষেতে। গাংয়ব ভ্ইয়া গেল দেখিতেং * পুছিনু তাহার কথা বিবির ছজুরে । বিছ ना कहिल विवि जागा नवाकाद्व * এ कथा कुनिएम विवि दशामाले অনুবে। দেখিতে চলিল তবে বেটির খাতেরে * সখি গন গিয়া चर्तत क्ला वे चूलिल ॥ जांक ट्रित पिर्य मारा शास्त्र रहेल *

নও বাহারের যায় নজর করিল। বিজলির যোত বিবি দেখিতে পাইল * তাজ্জব হইল বিবি ছুরত দেখিয়া॥ নও বাহারের কাছে विमल कारेशा 🖟 प्रिथिश विवित राल तथाभाल रहेल। राल रुकि কত তারে পুছিতে লাগিল * সোন বেটী তুমি মেরা জান বরাবর এক বেটী মাত্র তুমি কেন্তু নাহি আর * তোমার লাগিয়ে বড়া পেরেসানে ছিন্। কিন্তু আজ দেখে তোমায় খোসালহইণু * এক কথা পুছি আমিতোমার সাক্ষ্যাতে॥ সত্য করে কহ মাগো আমার কাছেতে * বিজ্ঞালির মত কিবা পাইন্ত দেখিতে ॥ গায়েব হইয়ে গেল পলক মারিতে * নও বাহার বলে কিছু আমি নাহি জানি। क्यान कहिव णागि मानरा। जननि * न व वाहारतत गाग वरल पिश्च नग़ात्न ॥ यूष्ठे कशा करहा कित्ना **आ**यात हामतन * এই রূপে রদ বদল করিতে করিতে। গোল সান জামাল তবে গপন হইতে * আপনা ছেরের তাজ তথনি খুলিল। পুশিদা थाकिया गर्म প्रकाम रहेन * ए या छेनाय काल छ यहा क्र रय। मिं क्रिया माराकामा हाग्रान माषाय * पिथिया मि क्रिय विवि হারা হৈল হোস। অচেতন হইয়ে গেরে হইয়ে বেহোস * নও বাহার বিবি তারে ধরিয়া তুলিল। আতর গোলাব কত ছিটাইয়া षिल* रहाम हहेल विवित विमल छेठिया। शाल मात्नत शात्न विवि त्रहिल চाहिया * शृष्टि लाशिल তবে न व वाहात जत कान कन এই गर्क करना जागात *

ফেরেস্তা এজন *দেব দেবতা মনি কিবা, এমন করেছে সোভা, দেখিয়ে রুপ মোন লোভা, না ফেরে নয়ন * প্রার *
নও বাহার বিবি বলে সোন আ

নও বাহার বিবি বলে সোন আহ্বা * श्यात * জান। যোন দিয়ে সোন কহি এহার বয়ান * কাঞ্চন পুরেতে ঘর বাদসার কুমার। বড়া পাহালতান মর্দ্দ জোরে জোরতার * বাগান বানায় এক দেখিতে ৰাহার। বেহেন্ত সোমান বাগ অতি সোভা কার 🗱 এক দিন ফিরিবারে জাইতে আছিণু॥ উডিয়া জাইতে সেই ৰাগান দেখির * উতরির সেই ঘড়ি বাগান ভিতর । দে বিয়া বাগান আমি খোদাল অন্তর * কত তুর গিয়ে দেখি এক वालाथाना । वर्ष्ट्र माकूल घत ठाउँ आगिताना * काटेर्ड २ रशन् দরতাজা উপরে॥ দেখিনু জাইয়া এই বাদসা জাদারে * দেখিয়া এহার রূপ হইনু খোসাল। তখনি হইল মূঝে আশক খেয়াল * জেই হৈতে দেখে ছিণু ছুরত এহার।, সেই হৈতে দেল মেরা আছে বেকারার * করুল করেছি আমি এহি জতানেরে। দাসি হৈরে রবো আমি এহার ছজুরে * এহার আসকে আমি দেওানা হইর। তোমার ছজুরে সব বয়ান করিনু * কয়েদ করিয়ে তাপে ताथिल बागाय । बागात जालारम गर्म बाहेल रहशाय * वड़ा পাহালতাম মদ বড়া জোর ধরে। সাহাবাল দেওকে জে আসি शास्त्र स्था अकामात वर्षे अहे जाम्य जामा ॥ अहात সজেতে আমি করিয়াছি ওয়াদা * এহার সজেতে সাদি দেহ জে আমার। এই আরজ করি আমি হুজুরে তোমার * শুনিয়ে সে বিবি অতি খোসাল হইল। নও বাহার বিবি তরে কহিতে লাগিল ্সান কন্যা ,চিন্তা আর নাহি করো তুমি।বাদসাকে কহিয়া তেরা সাদি দিব আমি ¾.এত বলি সেথা হইতে উঠীয়া চলিল। বাদসার হুজুরে বিবি জাইয়া পৌছিল * জোড় হাত হয়ে বিবি লাগিল কহিতে। এক কথা বলি সাহা আমি হুজুরেতে * খুনির খবর এক সোন কহি আমি। মানিক বলে সোন বিবি চুপ থাক তুমি * পরার ছাড়িয়া আমি ত্রিপদি ছন্দেতে। বাদসার ছজুরে

किर एक्त स्थामानिए *

* নও বাহার বিবির যাতা গোল সান জামালের *

* কথা ফর্মাথ সাহার কাছে কহেও কর্মাথ *

* সাহা গোল সান কে হুজুরে আনাই বার বয়ান *

* লগু তিপাদ * সোন নাম্দার, কহি স্মাচার; व्यान्त्राया (मिर्चन काट्रा । प्रिचिन (क्यन ना प्रिचि कथन, क्रिड़े जागि मत्ना जारा * जापग कारजदन, अगन श्रकादन पित्र कुष পারতার। পেথে পারি জাত, তাহার ছুরাত, মহ হুয় একে মার 🕸 পুলি যার সদি, ভূতলেতে আদি, উদায় হৈয়াছে জেন। রূপ क अधनः (पविना कथन, प्राटण (ভाला मनित भान * ना বাহার বিকি, দেখে তার ছবি, আশক হৈল দেলেতে। সাহা বালের তরে, মারিয়া সে জোরে, আসিয়াছে এখানেতে * রুপ শুলে আর, ভার বরাবর; নাহি দেখি ত্রিভুবনে। আমিত ভাইয়া, ভাসিন ভেথিয়া, রূপ তার তু নয়ানে * কাঞ্চন পুরে घत , वाषणात कृशात , जामक विवित लरत ॥ नाना पृथ करत , जारम হেপাকারে, উপনিত বিবির ঘরে * জেয়ছা বেটি যোর, উপ জুক বর, খিলাইয়া দিল শাঞি। সোনহ রাজন; জদি এহি জন হয়ত যোদের জামাই * হবে কত শুখা বাড়িবে কৌতুক, শুখের নাই পাবা পার। ফর্রখ শুনিয়া, কহে খোস হইয়া, ছজুরেন্ত काच कामात * वंद वादात विविद्यं, कात काम्रायतं, दशा कात्ना দীন্ত্রহ কোরে। কেমন চুরত; ধরে আদম জাত, দেখিব আমি নজরে * ভকুম শুনিয়া, পরি গন গিয়া, তুজনে আনে ডাকিয়া। जाक रख्ते शहर, वालगांत पत्वादत, शाल मान स्थोर् वामिया अ ন্যাসিল জখন; পুছিল তখন, কোথায় আদম জাত। নও বাহার ক্ৰিব ৰুবায়া লে বুৰি, ভোলে টুপি দিয়ে হাত * কিঞ্চিত তু লিল কিছু প্রকাশিল বিজ্ঞালি চমকে জেন॥ দেখিয়ে সে রুপ আপনি দে ভূপ তারাইল নিজ জ্ঞান * কিছু হোস হইল, বি-विद्य कविल कि पिथि पिथा । क्रिश कि ध्रम ; पिथिना

জেও লাল লইয়া হাতে, নও বাহর সহফেলেতে আইল विची कार्न अप नार्वा काणि, जाकारेश एक्टर कृषि राज मान नाहिक छक भरा विती का देव का का কাল ভালিয়া জেন, পড়ে তার ছেরের উপর ও মুখে হায় ২ করে ক্রমিন কাছতে পড়ে, কি করিলে পারভার দেগার। হায় মোরে িত্তল, ৰছিব ভাজিয়া গেল' কি করিল দেও জুরাচার ও বহুত শক্তে জারে, নিলাইলে বিধী মোরে, তাবে দেও লিলেক ছবিয়া এত দাখ করে জারে, আদি আমি বরি বারে ভারে নাহি পাইন পানিয়া * তায় বিধি কি করিলে; এত তুক্তা গোরে দিলে, পেল ্যার নছিব ভলিয়া॥ গরল খাইয়া জান তেজিব এখনি প্রভা जदब क्रम कारेदब मिनिशा * এरे कृदल कार्ति करते, जित्र देशक नारिश्व পারে, গড়া গাঁও জায়ত ভূমেতে। আওলায়া বাপার কেশ, হইয়া পাগল বেশ, উচ্চাশ্বরে লাগিল কান্দিতে * অভরন বলন ছিল अकलि किका पिल, गूर्थ किवल करत रास् । ছाডिया जिश्ल इन्म, अशास्त्र करित त्नमं, खिथन मानिक तम शास *

* নও বাহার বিবীকে পুরু রায় *

* वन्त थानाश ताथि वात वशान *

朱 어디

পাগলের মোত জদি নও বাহার হৈল। ণয়েছলেছ সমেত সবে হয়রতে পড়িল 🕸 ফতেনোশ দেও গিনী लिथिल क्यम ॥ या वित्रल जारत विवी देश्या भाषा भाषा स्थान अ वह क হইয়া গোশা দেলে আপনার। তখনি চলিয়া গেলদেনেতেভাহার ফর্ব্লখ দাহা তবে নও বাহার বিবীরে। কয়েদ করিল ফেরে বন্দ थाना चरत अ वन्न थाना चरत विवी कारम कारत कात। এত एक দিলে আলা নছিবে আমার * তুক্তেতে ভালিবি জদি ছিল তেঃর ब्यादन । তবে কেনে यिलाई हा जिल हुई करन क द्वायात परिया किष्ट्रना शाति वृत्तिएछ। काद्र कद्रा अद्या गामि काद्र आकेदिन তে * তাপার সাগরে কার লেহ বাঁচাইয়া। তখনতে কারো ভর। म्बा प्राहेश क्ष कतिम त्रिम नाम नाम निवासिता ज्य

এজনেরে নিদয়া হইলে *

* नख वाशादतत शिन्म भान *

ছক্ত মছিবতমে মায়নে গ্রেপ্তার হুপ্তা এলাহি। কারমেরে মোস্কেলকো আছান * তুঝ বগাএর আওর কোই নাহি হামারি কার মোস্কেলকো আছান * ছক্ত মোস্কেল মে হোঁ আছির খোল মেরে মোস্কেল কি জিঞ্জির, কারমঙ্কে লকো আছান * দরগামে তেরে কারতা হোঁ ফরিএ্যাদ

এলাহিকরমস্কেলকো আছান*তু ছবকা হেয়ছোলতান * এই রূপে নও বাহার কান্দে দিবা নিসি मारक एक यालन जात रेशल यूथ मिंग * कर्क्ष भाश वरल छे जित नाष्ट्रित। এ वर्ष कलङ भिता दिल दिन कुर्फ् * शाहाफ् कल्ल जिया अशुक्त शादा। वाहिया जावेल दक्त जा जा जात नहत्त * वाच ভালুক হাতি হৈতে আফতে বাচিয়া। সাহা বাল দেওকে শে ञाणिल गातिया * ञागात घरतर जिल् । ति । ति । ति । ति । ति । বদ নাম মেরা হবে দেশ জুড়ে *ফতেনোস দেও তারে লিয়া গেল हरत ॥ छे लाग्न कि कति এখन वलना आगात * छिकित नकल বলে সোন আলম পানা॥ তাহার কারনে কিছু না করো ভাবনা এত মছিবতে জেবা আইল বাচিয়া। শাহা বাল দেওকে শে আইল যারিয়া * ফতেনোশ দেও তারে কি করিতে পারে॥ খোদার রহম আছে তাহার উপরে * সাহা বাল দেয়ে জেয়ছা যারিল হুনরে। ফতেনোশে মারিবেক তেমনি প্রকারে * ও খা নেতে ফতেনোশ ঘরেতে জাইয়া॥ গোল সান জামালের তরে ছाমনে আনিয়া *দেখিয়া তাহাকে বড় গোস্বা দেল হইল। দেও পার চাপাইয়ে দেহো এহার বুকেতে * ভাগিতে না পারে জেন সানহ খবর। কয়েদ করিয়ে রাখ বন্দ খানা ঘর *

ফতেনোশ দেও জান করবা চতুর।

জ্ঞান হত বেল ভারা করিয়ে মলুম * গোল বাৰ ভানালে ভবে बाबार अवेश कार्ड कर किएक विद्र जारत कर श्रम का तक अवासि ज्यान ওজনের প্রথম আনিয়া। গোল সানের ছাতি পরে ছিল চাপাইয়া পড়িয়া বহিল মদ লাচার হইয়া। দেও গন শেখা হইতে আইল িরিবা * পাধর চাপায় ক্রদি বুকেতে তাহার। কাশিতে লাগিল মন হৈয়ে জারং শ্রহায় বিধি কি করিলে নছিবে আমার। কি গুনা করিন আমি দরগায় তোমার * তাহার কারনে হুখ দিতে আছ स्याद्त । नाहि जानि किया माम कतिन् छजूति अ थारनक तार्किक ভূমি মালেক মোজার। রহিম রহমান তুমি পাক প্রভার * খলি लाद वाहाहरलकाजम इहेट । मूछादक वाहा काला क्यां छन হাতে अ ৰুহ নবি ভুফানেতে পড়িল জখন॥ বাচাইলে তারে ভূমি পাক ছোবহান

ইউছফ নবিকে জখন ডালিল কণ্ডাতে। তাহাকে वैाठारम जूबि जाशना रकामतरा * ध्राष्ट्रा गृष्टिवराज भरव निर्म বাঁচাইয়া। আযাকে বাঁচাও আল্লা মেহের করিয়া * করিয় রহিম নাই আপনি ধরিলে। করম রহম কেনে ভূলিয়া রহিলে * ভোমার মহিনা কিছু নাপারি ব্ঝিতে। জাহা খুসি তাহা করো রাজি আছি তাতে*

* शोल मान का गातलत (यदणत *

* গালু রাগিনি বেহাগ তাল আড়া *

হায়রে দারুল বিখি বড়ই নিদয়া তুমি * কারে করে৷ স্বর্গ বালি কারে কর অবগামি *শুখ আসা কোরে মলে এলে ছিলাম পরিস্থানে, সে শুখ থাকুক ছুরে ছুখ সাগরে পড় লেম আমি *কি তানা করিমু আমি, তেকারলে বাম তুমি: পালান চাপা দিয়ে বুকে করলে আমায় অধ গামি *

* তেয়াফাষ্ দেও আসিয়া গোল লান *

* জামালকে খালাস করিবার ব্যান

পাসান বুকের পরে, কান্দে মূদ্দ

※ 同时师 ※ জারেং, কি করিলে পরস্থার দেগার। আমি কি করিছ দোশ। তে शतित प्राप्त पूक्रान शिलिया क

* গোল সান জামাল দেয়ের লড়াই ফতে *

* করিয়া ফর্ক্সখ সাহার নিকটে পৌছিবার বয়ান *

४ जिलि * ছেয়া ফামে लहेशा माएड সাহাজাদা খোসালেতে, জায় মর্দি পরির সহর। ছেয়াফামের कात्म हर्ष, जाय पिछ मत्ना छर्फ, कर्क्षथ मार्ट्स वतावत * তজের উপরে বদে,ফোর খ আছিল খোদে,উজির নাজির গোনে লিয়া। গোল সান জামাল তখন, হইয়া খোসাল মোন, দরবা-রেতে পৌছিল জাইয়া * ফর'খ দেখিয়া তায়, বহুতি খোসাল হয়, বসাইল তক্তের উপর। বছতি তারিফ করে, জিজ্ঞাসিল ফের তারে, কহ বাবা কেয়ছা সমাচার * জত কিছু গোজারিল একে ২ শুনাইল; সাহাজাদা করিয়া বয়ান ॥ গোল সানের কথা ख्यान , वाष्मा त्थामाल त्यातन , शति शतन कतिल क्त्यान * थाना পানি মেণ্ডা জাত, এনে দেহ ভাঁতে ভাঁত, সাহাজাদায় খাইবার তরে। বাদসার হুকুম শুনে, খাবার ছামান এনে; দিল সবে গোলসান হুজুরে * নওবাহার ছিল জেখা, সখি গন গিয়ে সেখা कट्ट हाल व्यान कतिया ॥ त्मान त्मान माहाकानि, कहि यावा तक वापि, পৌছिल জে আप्र वापिया * कट्टिनाम पिछरम कार्ध्य, ली ছिয়ाছে হেথা কারে, সোন বিবি খুসির খবর। গোল त्रिश किप , श्विन भ माहाकापि , देश्ल शुमि हाकादत त * व्यक्षिन यानिक वला, अलाहि महाय देवला, कान याज ছক্ষু তার। ত্রিপদি ছাড়িয়ে এবে, পয়ারেতে কহি তবে ाजापित मापित वाथवात *

* न उ राहात विवित्र मापित बनुटमत व्यान *

*পয়ার

শব্দার

শব্দা

ফর্মেথ সাহা খোসালহইয়া। অন্দরেখবরতবেদিলপাটাইয়া * উজির নাজির গোনে করিল ফ্রমান ॥ শাদির তৈয়ার করো জতেক ছামান * উজির নাজির ছকুম শুনিয়া বাদসার। সাদির আছবার জত করিল তৈয়ার * তাম কানাত খাড়া করে সত সত রঙ্গ তার বিচে হয় নানা মত * সহর বাজারে, আর জত ঘরে করিল রওসনি খুব জলুস তৈয়ার 🔅 সাত রোজ রাত্র দিন সহর বিচেতে॥ করিল জলুস খুব তামাসা দেখিতে * জতেক হইল খুবি বিবির সাদিতে। বয়ান করিয়া তাহা কি কবো সভাতে * একেত পরির জাত মালের ছরদার॥ তাহাতে বাদসার বেটী কমি কিবা তার * জলুস হইতে তাতে পারে কিনা পারে। थियान कतिया दावा जानना जल्दत * वयान कतिया जामि कि कहिव काम। विमि कथा लिथिल एक भूथि विएकाम * मावा মাঝে' কিছু ২ করিব বয়ান। বুঝিতে পারিবে তবেসকল সন্ধান * তবে এক দিন বুঝে তারিখ করিল। উজির সবাকে সাহা কহিতে লাগিল 🔅 জলুস তৈয়ার খুব করনা জাইয়া ॥ সাহা জাদির সাদি আজি দিব পড়াইয়া * বাদসার হুকুম শুনে মিলিয়া সবেতে॥ জলুস তৈয়ার করে দেণ্ডান খানাতে 🛪 জর তুজি কত সত ফরস वानिया। पिछान थानात विरु पिल विष्ठाहेया * लाल जछाटहत कं छोकी बाह्य छात्र। यक यक करत हक्त्र हाइता ना काण দেওাল গির ফানুস কত বেলওারির ঝাড়। লাগাইল চৌ গেতে বিবিধ প্রকার * হিরা জতাহের কত অমুল্য পাথর ঝাডের চৌদিগে গাপা ভাতে বেশুমার* হিরার তবক চারি দি লটকাইল। তাহার জোতেতে ঘর উদালা হইল # আমি উমরাও লিয়া বাদসা নামদার। আরকান দৌলত সমেত হইয়া তৈয়ার * মজলেছ করিয়া সাহা আপনি বসিল। নাচ রঞ্জ গিত বাজা হইতে লাগিল * সাহানা পোসাগ জেয়ছা পরি গনের ছিল গোল সানে পেন্দাইয়া তাহা মহফলে আনিল * একেত গোল সান ছিল রুপের সাগর। লেবাছ পোসাগে হইল চান্দ ব্রাব্র

মহফেলের পরি জত গোল সানে দেখিয়া। চাহিয়া রহিল তারা হোস হারাইয়া * অধিন মানিক কহে খুসি খোসালিতে। পয়ার ছোড়িয়া লিখি ত্রিপদি ছন্দেতে *

* लघु जिलि *

ক্রিক , সকলে আইল , নাচ রক্ত হয় কত। নাটুয়া গাওাইয়া সকলে আসিয়া , নাচে গায় নানা মত * খেম্টা ওলি বাই , নাচেত সবাই , কর্তর লোটে জে মত॥ কখন জমিতে , কখন সন্যেতে ,নাচে গায় পরি জাত * কেহু নাচে গায় , কেহুত বাজায় সবে রক্ত করে কত। ছেতারা বেহালা , ঢোলক তবলা , নানা রাগে বাজে সত * ছারেজ মৃদজ , বাজে নানা রক্ত , শুনে সবে ক্রিই হয়। মৃত গিত শুনে, সবে খুসি মোনে, এনাম বখসিস দেয় *

* न । वाहादतत (इकादतत व्यान *

স্থি গ্ন জতো ছিল, সাহাজাদির कां छ (शल भाना कर्प विविद्य माजाय। छेपछेन पिटलक शाय, স্মাৰ্জন করিয়ে তায়, গোলাবেতে গোছল দেলায় * কিম খাবের ইজারেতে, সাটীনের পেসগুজেতে, মতির ঝালর চারি গুরে। হিরা জ্ঞাহের কতো, অমুল্য পাথর জতো, গাংগা তাতে কতো থরে থরে * আবরঙা চাদর গায়, ছোনে হারি পাটা তায়' সোনা তিত কাষ কভো ॥ বুলাক কানেতে বালা, গলেতে পাচনরি ালা, হিরায় জড়িত নানা মতো * নাকেতে দিলেক নত; কি কবো তাহার বাত, সিতা পাটী সিতার উপর॥ হাতে বাজু পৌছে তাড়, পাঁচ দানা বড়েলা আর, কঙ্কন চুর সকলি সোনার * জও-হেরাত জড়াও ছিল, কিবা সোভা তাতে হইল, কোমরেতে দিল हल् हात । পार्या (नश्र मार्क, हल्दन यान यान वार्क, भाग জ্তা তবক হিরার * চক্ষেতে কাজল যিসি, জেন চন্দ্র ভূযে षामि, छेत्र शहेल घत गाया। लिताছ कि छत्त चात्, हिल कुन हमरकात, त्वरहरखत छत रहन मार्क * नख वाहारत माकाहेल. वानमादक थवत मिल, कट्ट मारा घर्ष्कल वानित्छ। छाछिय

তিপদি ছন্দ;পয়ারে করিজে বন্দ, কহে মানিক দেল খোসালিতে * নও বাহারের সাদি পড়াইবার বয়ান *

* পয়ার * সাজাইয়া নও বাহারে জত সখি গন বন্ন ডালা লইয়া হাতে চলিল তখন 🕸 মহফেল আরাস্তা খুব ছিল জেখানেতে॥ নও বাহারে লিয়া গেল গোল সানে বরিতে * নও বাহার বিবী জদি মহফেলেতে গেল। মহফেল সমেত সবে উঠে थाएं। रहेल * नख वाहान विविद्ध लिया मिथ भारन वन फाला लिय़ा হাতে খোসালিত মোনে * গোল সান জামালে विवि বরিতে লাগিল। গোল সান জামাল দেলে খোসাল হইল 🕸 নও বাহার তুলে মালা খোসালিত দেলে। আপনার হাতে দিল গোল मात्नित शत्ल * नख वांशत याला कि ति ताल मात्नित पिंता। यह-ফেল সমেত সাহা খোসাল হইল * মও বাহারে বসাইল গোল मात्नित वाँम। योलां कि वां निरम তবে नामि कि ने मान से वामना জাদির সাদি হইল জখন। বহুত নেছার দিল জত পরি গন * হিরা মতি জণ্ডাহের অমূল্য পাথর। পরিগোনে দিলকতো সোনার মহর * पुला (मालाहित তবে জত পরি গন॥ মহলে লইয়া গেল খোসালিত যোন * জানানা রছম পরির জে রুপে আছিল পরি গন মহলেতে সকলি করিল * তার পরে পরি সবে গেল জে **हिला । (शाल मान तिहल घरत (थामाल हहेशा * यूशल मिलने** গোল সান জামাল বলে নও বাহার বিবিরে। সাক্ষ্যাত জে হবে व्यात ना ছिल चल्डरत * विथाका मान्य ছिल यिलन इटेल ॥ क्रज ष्र्य राम पूरत ख्य उपिक्न *

* গোল সান জামাল নও বাহার বিবিকে *

* হিন্দী জবানে আপনা ছক্ষের হাল কহে *

কেয়া মছিবতছে তুঝে দিয়া মুঝে পরওার দেগার *

কাহনে ছে উহ মাজেরা দেল হোবে বেকারার * দিয়া
পাখ্যার: ছিনা উপার; ওছ গামছে দেল থা বেকারার,

দেলে নালাঁ চশম গিরঞা রোয়া জারে জার * না থা ওক্ষেদ দেলয়ে মেরে, ফের মোলাকাত হোগা তেরে, তুঝা বেগয়ের দেল ফাট জাতাথা চশমথা খুঁ বার *

*পয়ার *
ত্বিংশতে কাঠায় নিসি খোসালিত মোন * খুসি খোসালিতে
থাকে বিবির সঙ্গেতে। কিবা দিবা কি দিসি থাকে হরসিতে
তুই তিন মাশ এয়ছা গোজারিয়া গেল। মা বাপের কথা তার
মোনেতে হইল*নও বাহার কহে তবে সোন প্রানেশ্বরি॥ আপনার
দেসে আমি জেতে ইচ্ছা করি * মা বাপের খেদমত
লাজেম আমায়। দেল খোসালিতে মুঝে দেহনা বিদায় একথা
ভানিয়া বিবি বাদসাকে জাইয়া। কহিল সকল কথা বয়ান করিয়া
আলম পানা ছালামত কহি ছজুরেতে। তোমার দামাদ চাহে
দেসেতে জাইতে * কহিমু তোমার কাছে করিয়া বয়ান। উচিত
জে হয় তাহা কহ বাবা জান *

* গোল সান জামাল নও ৰাহার বিবিকে সঙ্গে * * লিয়া আপনার দেসে জায় তাহার বয়ান *

* পয়ার *

ফের্রখ সাহা জদি একথা শুনিল।
গোল সান জামালে তবে বোলাইয়া লিল ॥ কহিতেলাগিল বাদসা
গোল সানের তরে ॥ আমাকে ছাড়য়া তুমি চাহ জাইবারে *
তোমাকে ছাড়য়া মোরা রহিব কেমন ॥ তোমার কারনে রবে
মোন উচা টন * শুনিয়ে গোল সান তবে কহিতে লাগিল ॥ বৃদ্দ
মাতা পিতা ঘরে না জানি কি হইল * মা বাপের খেদমত
লাজেম আমায়। খোসাল খাতেরে মুঝে দেহনা বিদায় * ফর্রয়খ
সাহা জদি এমন স্থানল। উজির নাজির তরে বোলাইয়া লিল *
লাল জাওাহের কত অমূল্য পাথর। হিরা মতি কত আর সোনার
মহর * বে বাহা দৌলাত সব খাঞ্চায় পুরিয়া। ভারি ২ কিমতের
কাপড় আনিয়া * দামাদে জৌতুক দিল খুসি খোসালিতে। দশ
বিশ পরি আর দিলেক সঙ্গেভে * নও বাহার বিবি তরে দিলেক

শুপিয়া। খোসালে দেলেক সাহা বিদায় করিয়া * নও বাহার বিবি আর গোল সান জামাল॥ ছালাম তছলিম করে হইয়া খোসাল * কুরছির উপরে দোহে ছণ্ডার হইল। পরি গন লিয়া কান্দে উড়িয়া চলিল * ছেয়াফাম দেও শাতে চলিল উড়িয়া এক সহরতে সবে পৌছিল জাইয়া *

* ছোমছাম সাহার বেটির উপর ছেয়াফাম দেও * * আসক হয় ও তাহাকে লইয়া জাইবার ব্য়ান * ছোমছাম নামে বাদসা সেই সহরেতে * 7313 হাছিন এক বেটী ছিল তাহার ঘরেতে * দেলারা নামেতে বিবি বড়ই শুন্দরি। কি কব তাহার রুপ জেন বিদ্য ধরি * ছেয়াফাম তার রূপ দেখিয়ে নজরে। আসক হইল দেও তাহার উপরে গোল সানের কাছে কহে করিয়ে বয়ান। বাদসার বেটিকে দেখে বাচেনা পরান * সাদি দেলাইয়া দেহ তাহার সঙ্গেতে। আমার আরক্ত এই তোমার খেদমতে * গোল সান জামাল তার মতলব বুঝিয়া। পয়গাম ভেজিয়া দিল সাদির লাগিয়া * শুনিয়া সে বাদসা কহে দেয়ের সজেতে॥ মানুসের সাদি আমি দিব কি রুপেতে একথা গুনিয়া কাছেদ ফিরিয়া আইল। গোল সানের কাছে এসে কহিতে লাগিল * ছেয়াফাম শুনে তাহা না উ ক্ষেদ হইয়া। আপনি রহিল দেও ছের নঙাইয়া * গোল न জামাল তার মতলব বুঝিয়া।ছেতার লইয়া হাতে চলিল উ কহিতে লাগিল তবে ছেয়াফাম তরে। নাচ বাজা করি গি. वाप्रमात प्रवादत # व्हाम ब्हेद ज्व श्रज्न छिन्या। प्रनाता বিবির তরে আনিবে তলিয়া 🕸 এত বলি গেলো দোন বাদসার पत्वादत ॥ थवत लाइ दिस मादा दाला स छ जूदत * नात्न छाला আইল জিদ মসন্থর হইল। শুনিয়ে তামাম লোক দেখিতে আইল ছেতার লইয়া হাতে বাজায় তখন। অতি শুমধুর সূরে আর-ন্তিল গান * করিতে লাগিল গান আওাজ করিয়া॥ মহ হইল সক-লেতে সে গান শুনিয়া * ছেতারের বাজা আর গায়েনের তান

শুনিয়া সকল লোক হারাইল জ্ঞান * ছেয়াফাম দেখে সবে হোস হারা হইল। দেলারা বিবির তরে উঠাইয়া লিল * বিবিকে लहेल कपि लाल मान पिथा। (मथान थाकिया यक हिलाला উঠিয়া *পরি গন কুরছি লিল কান্দের উপরে। ছেয়াফাম লিলো काल्म (मलाता विविद्त * উড়িয়া চলিল সবে হাওার উপর। कारेशा (भोष्टिल (कथा (जल मार्जित घत * (जिथेशा (जल भाज विवि খোসাল হইল। नও বাহার বিবিকে জে আগু বাড়াইল * হাল হকিকত বিবি গোল সানে পুছিল। বয়ান করিয়াসব বিবিকে कहिल * (पल मार्पत वां एक्त यां माल बखरत । (यह यानि করিয়া খানা খেলায় সবারে * এক রোজ সেখানেতে রহে ওত-तिया। (पल माप विविद्य (क मद्भाष्ट लहेया * यूमि (थामा-লিতে সবে হইল বিদায়। সেখান থাকিয়া দেকলিয়া তবে জায় কুফুর বাদসার দেসে জাইয়া পৌছিল। দেখিয়া তাহার বিব খোসাল হইল * মেহমানি করিয়া খানা স্বাকে খেলায় ॥ খুসি (थामालि ज मत्व थाना शानि थाय * म्यान थाकिया (कत् রপ্তানা হইল। কাঞ্চন পুরের দেসে জাইয়া পৌছিল * গোলসানর वान जात थवत नाहेशा। वर्ड र्यामाल माहा (म्लाड हहेशा * খোদার দরগায় কত সোকর ভেজিল। মার্তার সিন্দুক জেন काबालि लाइल * जाछ वाषाईल मादा (थामाल थार्डित । वर् বেটায় लिया গেল আপনার ঘরে * গোল সানের মায় বিবি দেখিয়া ছাতাল। দেলেতে হইল বিবি বহুত খোসাল * খুসির कान्यनामत्व लाशिलकान्पिटा । वङ्गिरा प्रत्य यूमिर्डेल्पिल्ट সাহাজাদা আইল দেনে শুনে সকলেতে। সহরের লোক সবে वाहेल (मिथिट * न व वाहात ७ (मल माम मकरल (मिथ्रा। আপন আপন ঘরে চলিল ফিরিয়া * তুই বহু দেখে খুসি হইয়া অন্তরে॥ দিশুন বাড়িল সুখ বেগম ও বাদসারে * ছেয়াফামে গোল সান ডাকেয়া হুজুরে। জাইতে কহিল তারে আপনা महरत क दिलातारक लिया एहिं याका य करव काय ॥ त्याल मार्नित

তবে দেও হাত জুড়ে কয় * রোখছত হইয়া জাই দেশে আপনার ভুলিতে নারিব আমি এহছান তোমার * আমাকে রাখিবে সাহা সদাই দেলেতে। দরকার হইলে আমি পৌছিব খেদমতে * এতেক কহিয়া দেও ছালাম করিয়া। দেলারা বিবিকে নিলোকান্দে ওঠাইয়া * সন্মা ভরে উড়ে চলে হাওার উপরে। গাঁচ দিনে পৌছে গিয়া আপনা সহরে * গোল সান জামাল তুই বিবিকে লইয়া। আপনার ঘরে রহে খোসাল হইয়া * তুই বিবি লিয়া জামাল রহিল ঘরেতে॥ বড়ই আরামে থাকে দেল খোসালিতে * এই কুপে কত দিন গোজারিয়া গেল॥ তৈমুছ সাহার পরে আফত পৌছিল' * কামান সহরে বাদসাফেরদৌছ নামেতে। আদাওাতি ছিল তার তৈমুছের সাতে * বছত লক্ষর সেই লইয়া সঞ্চেতে। কাঞ্চন পুরেতে আইল লড়াইকরিতে * সোনহ শুজনসবে কহিজে স্বায়॥ লড়াই হইল শুকু দেখো কিবা হয় *

* फित्रफोछ मादा काग्रान महत हिएक लक्षत लहेगा *

কাঞ্চন পুরে লড়িতে আইসে তাহার বয়ান *

* পয়ার *

কায়ান সহরে বাদসা ফেরদৌছ নামেতে
বছত লস্কর সেই লইয়া সঞ্চেতে * কাঞ্চন পূরেতে জায় করিতে
লড়াই। তাহার বয়ান কহি সোন সবে ভাই * এক লাখ বিশ
হাজার ঘোড়ার ছতার। সব জেরাপোশ আর বড়া জোরতার *
পচিশ হাজার হাতি লিল ফাসি দার। পায় দল জতেক লোক কে
করে সমার * দশ হাজার তিরন্দাজ সঞ্চেতে লইয়া। কাঞ্চন
পূরেতে জায় রতানা হইয়া * আগে চলে ঝাগুা আর পিছেতে
লক্ষর। আপনি চলিল বাদসাহইয়া তৈয়ার * হাতি ঘোড়া গাড়ি
উট জায় বে সমার। কে করে সমার তার নাহিক সমার * কাঞ্চন
পূরেতে সবে রতানা হইল। গর্দি উড়াইয়া রাহে লক্ষর চলিল *
মঞ্জেল ২ রাহা জায় নেকলিয়া। কাঞ্চন পুরেতে সবে পৌছিল
আসিয়া*চারি জোশ বাকি রইতে তৈমুছেরগড়। করিলেক ডেরা

খাড়া মএদান উপর*কোসাদা ময়দানজদিলস্কর পাইন। ঝাণ্ডা ও নিসান সবে সেখানে গাড়িল *তাম্বু ও কানাত খাড়া করে স্থানেং किलाविन करितलक (महे एक गयमान ॥ शामालिए थाना भानि পাকাইয়া খায়। বাদসার কাছেদ এক পৌছিল সেথায় * অনেক लक्षत (मर्थ यस्मान উপর॥ কাছেদ আইল তার জানিতে খবর ছালাম করিয়া কহে জুড়ি তুই হাত॥ আলম পানা ছালামত সোন যেরা বাত *কাহার লস্কর এই কোন দেসে ঘর॥ এখানেতে আসিয়াছে কিসের খাতের * বোঝাইয়া কহো মোরে সনো नायमात । বুঝিতে পারিব জিদি পাই স্মাচার * শুনিরা আপনি সাহা কহিল তাহারে॥ জাইয়া খবর দেহ তৈমূছ সাহেরে * আ-পনা ভালাই জদি আপনি সে চায় ॥ কাপড় গলায় বেন্দে আসুক হেথায় * নহেত সহরে আমি জাইয়া ভাহার। গারত করিয়া দিব যারিয়া তলভার *পয়জার মারিয়া তার উভাবপদান ভাঞ্চিব। দেযাগ তার টুটাইবমান *ফেরদৌছ নামেতে বাদসা কায়ানেতে घ त । তাহার লস্কর এই জানিবে খবর * এতেক শুনিয়ে কাছেদ রপ্তানা হইয়া। তৈমূছের কাছে তবে পৌছিল জাইয়া * ছালাম করিয়ে কহে বাদসার হুজুরে। ছাতি পরে হাত দিয়ে কহে ধিরে ২ আল্ম পানা ছালামত কহি হুজুরেতে। কায়ান সহরের বাজসা फित्रपो छ ना स्थि * व्हा लक्षत (महे लहेशा माइ । जा-মার শহিত আইল লড়াই করিতে * আপনা ভালাই জদি চাহ নামদার। যোকাবেলা করো গিয়ে সঙ্গেতে ভাহার 🛪 এতেক विलया कार्छम विमाय रहेल॥ खनिरय टेज्यू मारा ভाविट लाशिल * উজित नवादक बामना लिल वालाइया। नवाकात उद्ध কহে বয়ান করিয়া * তুশান আমার পরে আদিয়া পৌছিল। কি করি তদবির এবে বুজাইয়া বলো * তোমরা গাফেল সবে বসিয়াছ ঘরে ॥ ছেশাহি লইয়া জাও লড়িবার তরে * বোরহান নাহেতে এক উজির আছিল। হুকুম মাফিক সেই লস্করেতে গেল न करहत विरु क छ ছिल नामपात । जवाकारत खनाईल हुकूम व प्रजात

শুনিয়ে তকুম জত ছেপাই ছরদারে॥ তৈয়ার হইল সবে মহিম খাতিরে ঋ ছুই লাখ আশি হাজার বাদসার লস্কর। কোমরবান্দিয়া সবে হইল তৈয়ার ঋ এক লাখ ছিল তাত্তে ঘোড়ার ছণ্ডার। ত্রিশ হাজার হাতি ছিল ফাসি দার ঋ তিরান্দাজ জত লোক কি কহিব কারে। সাজিয়ে চলিল সবে লড়াই খাতিরে ঋজতেক লম্বর ছিলমহিমেচলিলো। এনামসবাকে দিয়াখোসাল করিলো ঋ বোর-হান উজির তরে করিয়ে ছরদার। রপ্তানাকরিয়েদিল জল্পকরিবার ঋ

* বোরহান উজির লক্ষর লইয়া ফেরদৌছ *
* সাহার সঙ্গে লড়াই করিতে জাইবার বয়ান *

🛪 প্রার 👳 বাদসার লক্ষর সবে কোমর বান্দির্শ দ यशमान छे पत्त (शल त्थाना रहेशा * घाड़ा कामाईशा मत्य हिलले ययमात्न। द्याषात शारम् भून (शोष्ट्रिन गग्नात * द्याषात हिन হিন আর লক্ষরের সোরে। কেয়ামত হৈল জেনো সহর মাঝারে * জাইয়া পৌছিল সবেময়দান উপর॥ ফেরদৌছেরলোকসবে হইল े उशात क्ष्रे पत्न भाकार्यमा इहेन कथन। लक्षत्त्र जाति शिल তামাম ময়দান *রনিদঙ্গা বাজেকতভেউর ভুর জ। গুনিয়েছেপাই গনের বেড়ে গেলোরজ * ঘোড়া কোদাইতে সবে লাগিল ময়-पाल। कात्न काला लारा खरन घाएात हिन हित * क्तरपोछि लक्षत रेट्ट नारमण्ड बाक्शात । वड़ा शाहाल छान अर्फ वड़ा र बित প্রার 🛊 ফেরদৌছের পায় সেহ ছালাম করিয়া। ময়দান উপরে 'वाहेल (चाड़ा कालाहेशा * हांकि का लाशिल वर्ष व्यापादन वा-मिया। कि वामित्व लिए वाद्व वाइमना हिलया * তाशिन हिलया কেন আইসনা ময়দানে। হরিফ তোমার খাড়া দেরি করো কেনে বোরহানের দিগে হইতে নামেতে আলফার॥ মহিম ময়দানে আইল ঘোড়ায় ছণ্ডার *আজগার হাকিয়ে তবে লাগিল কহিতে কেমনে লড়িতে আইলি আযার সঞ্চেতে * ছাগলের যোত আয়ি দেখি জে তোমারে। এখনি পাঠাইয়ে তোরে দিব জোম ঘরে * वालकात श्वनिया करह (शाया (पल इहेया। वार्यत हक्ष्टल वार्कि

ঠেকেছ আসিয়া * গিধড়ের মোত আমি দেখি জে তোমারে। কেমনে লড়িবি তুই আমার ছজুরে * একথায় আজগার গোষা अपन देश। बालकारतत शरत गारत गर्ड **डि**ठाइँगा * बाल-জমি পর * নিজ গুর্জ্ব উঠাইয়া আলফার মারিল। আজগার ঢা-লেতে তাহা রদ কোরে দিল * আজগার পাহালতান তবে তেগ নেকলিয়া। আলফারের পরে মারে জোরেতে খেচিয়া * আলফার দিল ঢাল ছেরের উপর॥ রদ হইয়ে গেল জে আজগারেরতলওার এই রুপে তেগ বাজি করে তুই জন। কেন্তু কারে নাহি পারে ক্রীনে স্থান * আজ্গার পাহালতান ছসিয়ার ছিল॥ বাঁয় দেখাইয়ে হাত ডাহিনে মারিল * এয়ছা জোরে তেগ মারে আল-ফারের ছেরে। ঢাল সহিত দুই ফাক কাটীলেক তারে * আল ফার ছরদার মারা জখন পড়িল॥ তুছরা পাহলওান ফের লড়িতে আইল * লড়িল সে ঘড়ি ছুই আজগারের সাতে ॥ আখেরে পড়িল মারা আজগারের হাতে * তবে একেং জত লড়িতে আইল। আজগারের কাছে আসি ফিরে নাহি গেল * চালিশ ছরদার মারে আজগার জন্তান। দেখিয়া হয়রান হইল উজির বোরহান * দিবা অবসান হৈল নিয়া সাম কালে। বাহুড়ি নাকারা তবে বাজে তুই দলে * জার জেই দলে সেই ফিরিয়া আইল। আজগার ফেরদৌ-ছের পায় ছালাম করিল * ফেরদৌছ সাহা অতি খোসাল অন্তরে এনাম বক্সিদ দিল আজগার ছরদারে * এনাম বখসিস পাইয়া আজগার তখন। খোসালিতে গেল চলে খিমাতে আপন * খানা পানি খাইয়ে তবে রহে খুসি মোন। নিসি পোহাইয়া দিন হইল ছখন * ধুধু নাকারা তবে বাজিতে লাগিল। শুনিয়া ছেফাই সবে कायत वान्तिल* स्वाष्ट्रां प्रहेशा शिल यस्तान छे तत ॥ हुई पत्ल লস্করের হৈল ন্যুদার * বোরহানের লস্কর হৈতে নামেতে খাকান। ঘোড়ায় ছতার হইয়া গেল সে ময়দান * হাঁকিতে লাগিল অতি করে জোর সোর। শুনিয়ে আজগার আইল ময়দান

উপর * খাকান মারিল তেগ আজগারের পরে॥ আজগার করিল রদ চাল দিয়ে ছেরে * আজগার মারিল শুর্জ ঘুমাইয়া জোরে। কোমরে লাগিয়ে তার গেরে জমি পরে * এয়ছা জোরে শুর্জ লিয়া মারে পাহালতান। গোর্জের ধোমকে তার নেকলিল জান আর এক পাহালতান আইল লড়িতে॥ সেহবি পড়িল মারা আজ-গারের হাতে * এই রুপে জত জন লড়িতে আইল। আজগারের কাছে এসে ফিরে নাহি গেল *দেখিয়ে বোরহান উজির গোস্বায় জলিয়া। লস্কর সবায় মর্দ্দ কহিল হাকিয়া * একেলা আসিয়া এত মারিল ছরদার। কেন্তনা পারিলি তোরা সম্পেতে ওহার *একেলা২ লড়ে ফতে নাহি হবে। কালি এক সাতে হইয়ে লড়ো গিয়ে সবে * তবে বাজ গন্তি তবুল বাজিতে লাগিল। জার জেই দলে সেই ফিরিয়া আইল * খানা পানি পাকাইয়া খায় সকলেতে খোসাল খাতেরে রহে খিমার বিচেতে * অধিন মানিক কহে ভরসা ছোবহান। পয়ার ছাড়িয়া করি ত্রিপদী বয়ান *

स्विभिष्ठी निमी दिला अयमान, उट्टे कि भारालागनः, काम्रा वान्मिल करन २ ॥ धृधू नाकाता वाष्ट्र, कराइक ६ छ्या है
मार्क, काम्रे एक महिम मम्रान्त स छूटे निल आह्छारत,
आहेल मम्रान्त थरत, प्यांका कानाहेशा मर्व करता। रवात्रहान
के कित्र करव, आथना लक्षत मर्व, करत हकूम लिक् वात करत स
कित्र कर्व आथना लक्षत मर्व, करत हकूम लिक् वात करत स
कित्र हकूम कात्र, जिल कि आह्छात्र, अरक वारत हिलल मार्किया
काम्रानि लक्षत कथा, काम्राने शिष्ट्र प्रार्थित आहेल करवे, हुई निल
काम्रानि लक्षत काम्रानि लक्षत मर्व, थाम्रेया आहेल करवे, हुई निल
कारत, मक्ष्र निम्म्या। नाहि कित्न किन्न कारत, ति क्रिया काम्राने निल्ल काम्रिया स्वाक्र मार्व, विभाव काम्राने स्वाद स्वाद स्वाद काम्राने स्वाद स्वाद

কোদাইয়া জায় খোসালিত যোনে * বোরহান উজির জিদ শুনিল খবর ॥ গোল সান জাযাল আইল লইয়া লক্ষর * আগু वाषाइया लिल वापमा कापादत ॥ त्थामात्ल वमाय लिया कुनकित উপরে * সাদিয়ানা বাজা কত লাগিল বাজিতে। সরাৰ কাবাব वरम थाय (थामालिएक * निमि शाकारिया शिल ककत रहेल * গোলসান জামাল তবে ত্কুম করিল * কোমর বানিয়া সবে হওনা তৈয়ার। ময়দান উপরে জাহ জত আছওার* হুকুম শুনিয়া क्र छि थाई वा छिल। का यद वानिष्या मत्व रेज्यात इहेल * জ্ঞের তর্বল তবে লাগিল বাজিতে। শুনিয়ে লস্কর সবে গেল ময়-দানেতে * নামেতে নছরত জন্ম এক জোরওার। হাতি কাছা-ডিয়া যারে এত জোরতার * গোল সানের পায় সেই ছালায कतिया। गर्मान छे पत् राल घाए। कामारेया 🛪 कायान लक्षत হৈতে নামেতে খোরজান। বড়া জোরওার সেই বড়া পাহাল-হতান 🛪 কোমর বান্দিয়া সেই ময়দানে আইল। নছরতের সাতে अरम याकारवला टेशल * छुडे करन याकारवला इडेल कथन। नष्ट রত ছরদার হেকে কহিল তখন*কি নাম কোথায় ঘর কহ পাহা-লওান। বে নামেতে কেন তুমি হারাইবে জান*শুনিয়ে খোরজান বলে নাম আপনার। কহে কতোজোর রাখ মারো তলওার *এত শুনি খোরজাম গুর্জ উঠাইয়া॥ নছরতের পরে যারে জোরেতে খেচিয়া * नছরত লইলচোট ঢালেরউপরে। নিজ গোর্জ্জ তুলেমারে খোরজানের ছেরে * খোরজান লইয়া চোট ঢালে আপনার। নছ-রতের পরে মারে থেচিয়া তলতার * নছরত লইল চোট ঢাল দিয়ে ছেরে॥ এইরুপে তুই জনে তেগ বাজি করে র্রুনছরত পাহালতান বড়া ছসিয়ার ছিল। বাঁয় দেখাইয়া হাত ডাহিনে মারিল * এয়ছা জোরে তেগ মারে নছগত জ্ঞান। খোরজান পাহালতান গেরে रुहेशा हुहे थान * शांत्रकान পाराखान कपि क्रियान शितिल (पिश्ति छ। हो । हो शाहत था हेल के नात्म (मत्कान (मह वड़ा) জোর ধরে। ধরেয়া হাতির শুড় ফেকে দেয় ছুরে * ময়দানেতে

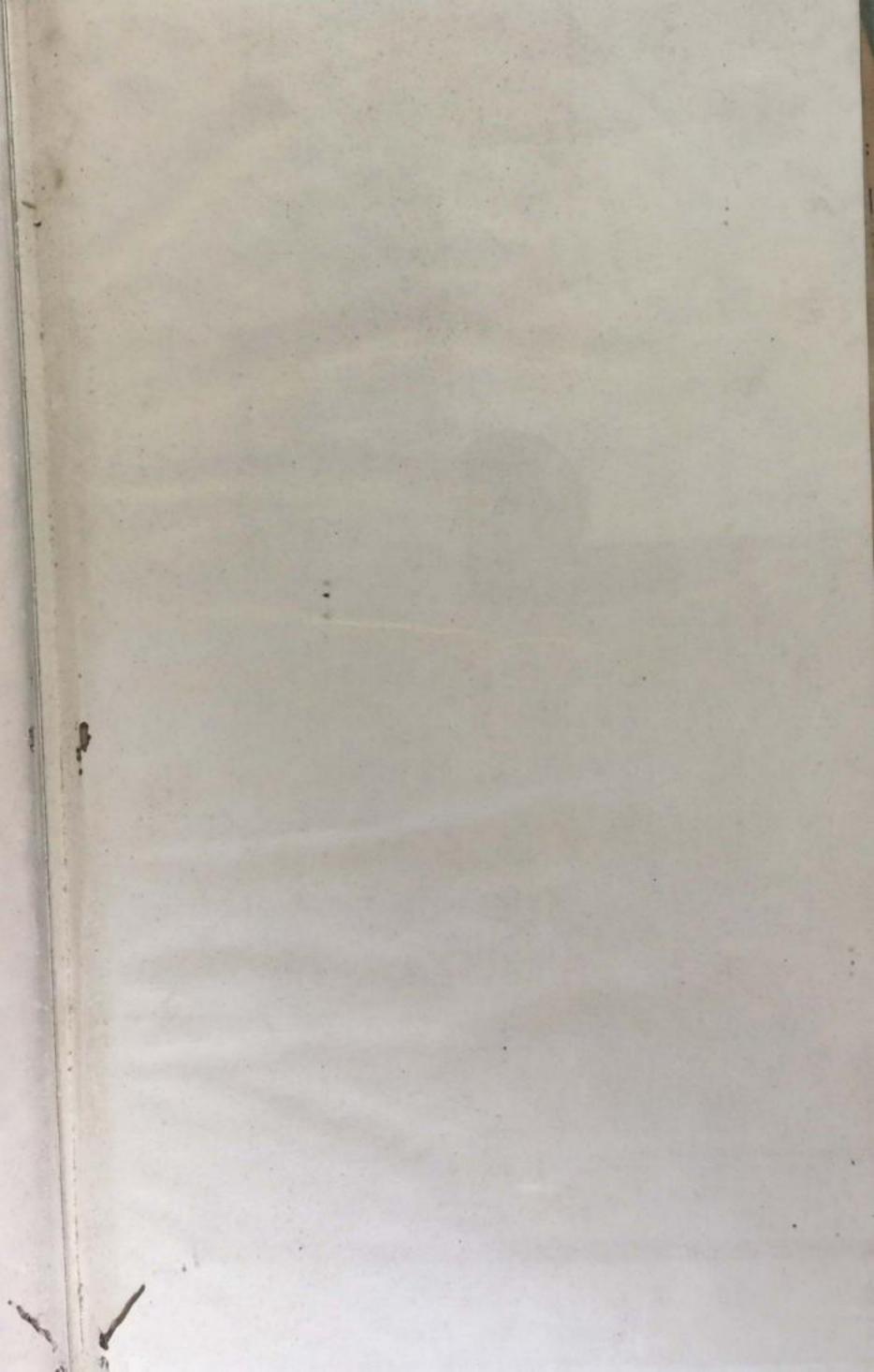
★ 20 華

हेशा गारत * (अत्कान जात कांग्रे तम कांग्रे मिना वाणनात (जा क्तित छेठारम यातिल 🗱 এই कृत्य कड क्रम लाए प्रत कान নছরতের হাতে মর্দ্দহারাইল জান*দের জান পাহালতান জমিনে পিরিল। পাহাড় গিরিল জেয়ছা আওাজ হইল * দেখে সেরজানের शल दिए रशासा यान। प्रमिन नारमण्ड गर्क वाहेल এक जान বড়া জবরদন্ত সেই বড়া জোরওার॥ লাম্বা চওরা বড়া উচা পাহাত আকার * নছরতের কাছে এসে গর্জিতে লাগিল ॥ গালি দিয়া নছরতেরে কহিতে লাগিল * গিখড়ের মোত তুই ছণ্ডার মারিয়া তাহাতে তোমার দেল গিয়াছে বাড়িয়া * আইস দেখি মেরা পরে মার তলভার। বুঝিব মর্দমি তেরা কেয়ছা জোরভার खिनिया नष्टतं व यक्त देव्या त्याचा त्यान। यित्ततं पतं तक्यारी ज्थन क्ष डात्नर्ड लहेन टाडि यियन इत्रात् । नहत्र्वात नर्त মারে গোর্জ্জ আপনার * নছরত তাহার গোর্জ্জ রদ করে দিল। यितित পরে निका चुयादेशा यातिल * यियन পাহालेखान অভि হেক্যত ছনরে॥ নছরতের পরে শুর্জ ওঠাইয়া মারে 🕸 এয়ছা জোরে গোর্জ গোটা মারে পাহালপ্তান। নছরত গাফেল ছিল গিরিল নিদান*জখন নছরত জঞ্চি জ্মিনে গিরিল। ম্যান পাছাল-তান তেগ খেচিয়ে মারিল 🕸 এরছা জোরে মারে জেগ মমিন খেচিয়া। ধড় ছের গেল তার আলাদা হইরা 🛪 নছরত পাহালওান মারা পড়িল জখন। ছছরা ছেপাই আইল মহিম কারন * ঘড়ি এक लए (महे हाताहेल जान। पिशित जाहेल एक मुख्ता कलान क्छ क्रन लिख़ा म यिदनत मार्छ। बार्यस पिल याता यिन-নের হাতে * এই রূপে জত জন লড়িতে আইল। মমিনের কাছে এলে कित्त नाहि राल * पिराय राम जान जानाल राम पिल दिशा॥ यशमादनटण त्राल वर्ष घाणा उठाहैश। * त्राचा दिल देवश क द्रशाल मादन क

भारत धारमा नाम द्वायात नामार । क्य देन स्टान्ट काम ভেপাই । ভাররা সমিন তবৈ তেগ লিয়া হাতত। বভা লোৱে ्डिश याद्य दशान वादनत शादश * शास मान वाद्य दिखा निर्मा চালেতে বার্লা বিশাস্থতার আপনারহাতে এওটাইনা শল্য পরে बादिल काळाळ। बाल २ टिट्स शिल मिमिटनत काळ अटलिय गामिटनत राल नात्यरण जाकशाता शाल मादेनत कार्य वाहेल व्यक्ति ত্তার*গোল দান বহিল কহ আপনার নাম বি বাংমতে ভাবে पात लाल नरह कात्र * जाक शांत छत्न रहा वाच वाचानात ॥ গোলগান কহিল কেনে এতো অহঙ্কার * এত শুলি গোল গান গোলায় জলিল। আজগারের ছের পরে তলভার মারিল 🛊 আজ গার লইল চোট ঢালেতে উড়িয়া॥ গোল সানের তেগ তবে গেল वल इहेश के बाक्साव यातिल हो हो त्याल यात्वत हित्य। दशाल मान कविन वा छ। तन इ छिगद्र 🕸 धरे कृत्य क्छ सान नाए छरे क्रमा शाम मान का गान का कि शामाय क्यन अ का क्यारिय गर् তেগ উঠাইয়া মারে। উভেং কেটে তুই ফাক করে ভারে 🛪 এক পান্ত ধোরে তার জমিনে কাছাড়ে। আর এক পান্ত কেকোয়ালি नक्दर्व * मिशि जाकशाद्वत ठाल जम शाहेबा द्या । द्या मा निखिट बाईरम शाल मात्नतं स्मात्न के कि न निख्य बाईल ्याल मान (विश्वा काशानि लक्दत श्वाद श्वात मान जारेया क অবিশ বানিক কতে এলাহি ভাবিয়া। ত্রিপার ভারেতে ক্তি পরার ছাডিয়া 🛪

ক্ষামিক হিলল ক্ষামিক ক্ষামিক বিশ্ব কার।
ভাইয়া সেবা, মারে তেগ বে দেরেগ হৈয়া। দেখিয়ে কার।
গোলে, আইল ধাইয়া রোলে; গোল সানেরে লিল জে বিরিয়
গোল সান খোড়াব পরে, ছু হাতে তলওার মারে, ধরে বার্গ লিতেতে খেচিয়া। দেখিয়া বোরহান তবে লাইয়া লক্ষ্ব







(भागभाग मध्याशंह

भा नि इ

बार्ना अकार्डमी हाका